चैत्र शुक्ल पक्ष- 5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 256 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
23 मार्च 2026 सोमवार

आज का मौसम
30.2 अधिकतम
15.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ब्रिटेन का बदलता रुख... जरूरी या मजबूरी?

ईरान के खिलाफ जारी संघर्ष में ब्रिटेन का रुख एक दिलचस्प और रणनीतिक बदलाव का संकेत दे रहा है? 'न न करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे' की तर्ज पर ब्रिटेन का अचानक अमेरिका के साथ आने के पीछे की कहानी क्या है? यह मुंह दिखाई भर है या उसकी कुछ और रणनीति है? दरअसल, ब्रिटेन के इस बदलते रूख के पीछे की कहानी काफी दिलचस्प है।

इसके पीछे कई नफे और नुकसान भी हैं। समझने की कोशिश करें तो साफ हो जाएगा ऐसा करना ब्रिटेन के लिए जरूरी है या उसकी मजबूरी।

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

जंग की शुरुआत में ट्रम्प के दबाव को सिरे से खारिज करते हुए ब्रिटेन ने अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। फिर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सीधी भागीदारी से नाटो के दूसरे देशों की तरह ही दूरी बनाई। ट्रम्प ने नाटो देशों को खरी खोटी सुनाई और उनका भविष्य बर्बाद करने की धमकी तक दे डाली। लेकिन, ब्रिटेन सहित कई सहयोगी देश टस से मस नहीं हुए। बाद में इंग्लैंड के पीएम स्टार्मर ने अमेरिका के जंगी जलपोत के फारस की खाड़ी से हटने के बाद अपने सैन्य बेस के उपयोग की अनुमति दी। लेकिन ईरान ने तुरंत पलटवार कर जब यूएसए और यूके के ज्वाइंट बेस डियोगोगार्सिया को निशाना बनाया तो अमेरिका का साथ देना इंग्लैंड की मजबूरी बन गई। इसके पहले वह घरेलू राजनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय वैधता की चिंता के चलते ईरान के साथ सीधे टकराव से बचने की नीति पर चल रहा था। बदलते हालात में जब दोनों देशों के संयुक्त सैन्य अड्डे पर खतरा बढ़ा तो यह केवल अमेरिकी हित का सवाल नहीं था, बल्कि ब्रिटेन की अपनी रणनीतिक संपत्तियों और वैश्विक सैन्य प्रतिष्ठा का भी मामला बन गया। इसी बिंदु पर ब्रिटेन ने 'सावधानीपूर्ण दूरी' से 'सीमित भागीदारी' की ओर कदम बढ़ाया और फारस की खाड़ी में अपनी नौसेना तैनात कर दी। यह बदलाव केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक संदेश भी है। पहला अमेरिका के साथ गठबंधन को बनाए रखना, दूसरा वैश्विक प्रभाव को कायम रखना और तीसरा ऊर्जा आपूर्ति मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

ब्रिटेन के लिए बढ़ती घरेलू चुनौतियां

फायदे के विपरीत देखें तो ताजा कदम के साथ ब्रिटेन के सामने घरेलू मोर्चे पर नई चुनौतियां भी खड़ी हो गई हैं। ब्रिटेन में मुस्लिम आबादी एक महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनीतिक उपस्थिति रखती है। ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को कुछ वर्ग 'पश्चिम बनाम मुस्लिम दुनिया' के रूप में पेश कर सकते हैं। हालांकि वहां अधिकांश मुस्लिम समुदाय शांति और स्थिरता का समर्थन करता है, फिर भी कट्टरपंथी तत्व इस स्थिति का दुरुपयोग कर सकते हैं। उसकी खुफिया एजेंसी मी-5 यानी मिलिट्री इंटेलिजेंस सेक्शन 5 का काम बढ़ गया है। उनके लिए यह समय सतर्कता बढ़ाने का है। खासतौर पर कट्टरपंथ और संभावित आतंकी खतरों को लेकर। स्टार्मर सरकार के सामने सामाजिक सौहार्द बनाए रखने और राजनीतिक संतुलन साधने की चुनौती तो है ही। दीर्घकालिक दृष्टि से देखें तो यह कदम ब्रिटेन की वैश्विक भूमिका को मजबूत कर सकता है, लेकिन इसके साथ आतंकवादी खतरे, सामाजिक ध्रुवीकरण और आर्थिक दबाव भी बढ़ सकते हैं। अंततः ब्रिटेन का यह रुख किसी आक्रामक नीति का संकेत नहीं, बल्कि बदलते हालात में 'रणनीतिक मजबूरी' का परिणाम है। यह ऐसा मुकाम है जहां उसके लिए न तो पूरी तरह पीछे हटना मुमकिन है और न ही पूरी तरह आगे बढ़ना। हालांकि ट्रम्प की चर्चा के बगैर कोई विश्लेषण पूरा नहीं हो सकता। उनका ताजा बयान है की सारी चीजें उसके पूरे नियंत्रण में हैं। उनके इस दावे को सही मान भी लें तो यह सवाल भी उन पर चस्पा होता है कि ईरान के पलटवार वाले हमले क्यों नहीं रुक रहे। सब कुछ उन्होंने अकेले ही कर डाला है तो फिर सहयोगी देशों की जरूरत क्यों पड़ रही है?

अमेरिकी मीडिया में खबर... ट्रम्प की टीम सीजफायर पर बात करना चाहती है!

तेल अवीव सहित कई शहरों पर बरसे बम इजराइल बोला- घुटनों पर आएगा ईरान

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच घमासान के 24 वें दिन ईरान ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव समेत कई शहरों पर क्लस्टर बम दागे। इस हमले में करीब 15 लोगों के घायल होने की खबर है जिनमें एक की हालत गंभीर है। कई घरों और सड़कों को भी नुकसान पहुंचा। इसके बाद आज सुबह से इजराइल के तेहरान पर मिसाइल हमले जारी हैं।

इस बीच, अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर ने कहा है कि इजराइल तब तक अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखेगा, जब तक ईरान को 'घुटनों पर' नहीं ला दिया जाता। इजराइल अब ऐसे देश के साथ नहीं रह सकता, जो उस पर लगातार हमले कर रहा है। दूसरी तरफ ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि किसी भी हमले का जवाब मैदान में दिया जाएगा। अगर ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया, तो होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा जिससे वैश्विक तेल सप्लाई पर बड़ा असर पड़ेगा।

उधर, एक्सियोस न्यूज ने खबर दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टीम ईरान के साथ सीजफायर पर बात करना चाहती है। इस काम में ट्रम्प के सलाहकार जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ भी लगे हुए हैं। यह जानकारी ने दी है। हालांकि ईरान ने बातचीत के लिए शर्त रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले। इस पर ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना मिसाइल प्रोग्राम कुछ समय के लिए बंद करे, यूरेनियम एनरिचमेंट रोक दे और अपने परमाणु ठिकानों को भी बंद करे। इसके अलावा, ईरान हिजबुल्लाह और हमास को पैसे देना भी बंद करे।

अब ईरान की तीन नई शर्तें

- इलाके में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने बंद हों
- होर्मुज स्ट्रेट के लिए नए नियम बनाए जाएं
- विरोधी मीडिया पर करवाई की जाए

ईरान-अजरबैजान बॉर्डर पर फंसे भारतीय छात्र

ईरान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहीं कश्मीर की फलक घर नहीं लौट पा रहीं। वो तेहरान से तो सुरक्षित निकल गईं, लेकिन ईरान और अजरबैजान बॉर्डर पर अस्तारा चौकी के पास फंसी हुई हैं। बॉर्डर पर वो अकेली नहीं हैं। उनके साथ ही 180 भारतीय स्टूडेंट्स फंसे हुए हैं। इनकी शिकायत है कि एंबेसी ने टिकट और वीजा कराने को कहा था, जिसके बाद कोम शहर से इवैक्युएशन शुरू हुआ लेकिन अजरबैजान के बॉर्डर पर आकर फंस गए। न कंट्री कोड मिला और न घर लौट सके। बुक कराए फ्लाइट टिकिट भी बर्बाद हो गए, लेकिन एंबेसी से कोई जवाब नहीं मिला।

शेयर बाजार में हाहाकार

शेयर बाजार में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स करीब 1,600 अंक की गिरावट के साथ खुला। फिलहाल 72,900 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी भी करीब 500 अंक की गिरावट के साथ 22,650 के स्तर पर है। आज बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी और आईटी शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी वजह युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ना है जिससे कच्चे तेल के दाम बढ़कर 114 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का भी असर है।

न्यूज विंडो

सुवेंदु अधिकारी बोले - बंगाल की हालत बांग्लादेश जैसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में भगवान राम की मूर्ति तोड़ने पर विवाद बढ़ता जा रहा है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने आज कहा कि बंगाल की हालत बांग्लादेश जैसी हो गई है। वहां मंदिर तोड़ना और मंदिरों में चोरी होना आम बात है। यह सब ममता बनर्जी के संरक्षण में हो रहा है। यह घटना मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में हुई थी। कुछ अज्ञात लोगों ने रामनवमी के लिए तैयार मूर्ति से तोड़फोड़ की। इसका वीडियो भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति के चलते जिहादी हमले बढ़ते ही जा रहे हैं। इस सरकार को तुरंत अलविदा कहना जरूरी हो गया है। नहीं तो आने वाले दिनों में सनातनियों के और भी बुरे हालात होंगे।

इटावा में ट्रेलर में जा घुसी बस ड्राइवर की मौत, छह घायल

इटावा। सोमवार तड़के इटावा कानपुर हाईवे पर इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जगमोहनपुर के पास दिल्ली से बिहार जा रही एक प्राइवेट टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और चालक के दोनों पैर कट गए। अस्पताल ले जाते समय चालक रामू शर्मा निवासी किचोरी जनपद मैनपुरी ने दम तोड़ दिया, जबकि बस में सवार आधा दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के अनुसार बस चालक नींद की झपकी के कारण वह वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा।

आज का कार्टून

यूपीएससी में चयनित युवाओं से मुख्यमंत्री यादव ने किया संवाद

भोपाल। कुशाभाऊ सभागार में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूपीएससी में चयनित मध्यप्रदेश में अभ्यार्थियों के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने सभी को सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

लैंडिंग के बाद फायर ट्रक से टकराया विमान

न्यूयॉर्क। एयर कनाडा की फ्लाइट 8646, मोंटेलियल ट्रूडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरकर न्यूयॉर्क के लागार्डिया एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग के बाद एक्सीडेंट का शिकार हो गई। विमान लैंडिंग के दौरान एक फायर ट्रक से टकरा गया। विमान में 100 से अधिक यात्री सवार थे। घटना उस समय हुई जब विमान रनवे से गेट की ओर बढ़ रहा था। टक्कर के कारण विमान और फायर ट्रक दोनों को नुकसान पहुंचा, हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है।

लाल किला विस्फोट मामले में कश्मीर में एनआईए की छापेमारी

एक कारोबारी के विस्फोट की साजिश में शामिल होने का शक

नईदिल्ली. एजेंसी

लाल किले के पास हुए भीषण आतंकी विस्फोट की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी आज सुबह कश्मीर घाटी में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। छापेमारी की सबसे बड़ी कार्रवाई कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा क्षेत्र में हुई, जहां एनआईए की टीम दो गाड़ियों में सवार होकर सुबह-सुबह गुलोरा इलाके पहुंची और एक स्थानीय कारोबारी के आवास पर छापा मारा। लाल किला हमले में। 11 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

मुख्य आरोपी उमर उन नबी खुद विस्फोट में मारा गया था। एनआईए इस हमले की पूरी साजिश को उजागर करने में जुटी हुई है और अब कश्मीर में नए सिरे से तलाशी अभियान चला रही है। हंदवाड़ा के गुलोरा में कारोबारी के घर पर टीम ने घंटों तक गहन तलाशी ली। दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त किया गया।

सूत्र बता रहे हैं कि इस कारोबारी का विस्फोट की साजिश से कुछ न कुछ संबंध होने की प्रारंभिक जानकारी मिली है। हालांकि अभी कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। एनआईए के अनुसार लाल किला विस्फोट की साजिश का मास्टरमाइंड उमर उन नबी था। उसने मुजम्मिल गनई, शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान, आदिल अहमद राथर और कई अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इस हमले की योजना तैयार की थी। इस मामले में अब तक जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के विभिन्न इलाकों से कुल 11 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

20 जिलों में दिखेगा असर, कई फसलों को हो चुका है नुकसान

प्रदेश में दो दिन बाद फिर बारिश और आंधी का दौर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मार्च के आखिरी हफ्ते मौसम का मिजाज फिर बदलेगा। मौसम केंद्र भोपाल ने 26 मार्च से बारिश का अलर्ट जारी किया है।

नए सिस्टम का असर पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा, शहडोल-सागर संभाग के 20 से ज्यादा जिलों में दिखाई देगा। इससे पहले दो दिन तेज गर्मी पड़ेगी। दिन के तापमान में 3 से 5 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस 26 मार्च से एक्टिव हो रहा है। जिसका असर एमपी में भी दिखाई देगा। वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और उससे सटे पाकिस्तान के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) सिस्टम सक्रिय है, लेकिन इसका असर प्रदेश में नहीं रहेगा। प्रदेश में 18 से 21 मार्च तक बारिश का दौर रह चुका है। शनिवार और रविवार को यह दौर थम गया जिससे गर्मी का असर बढ़ा है। नर्मदापुरम प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां रविवार को अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री दर्ज किया गया। बता दें कि पिछले दिनों एक्टिव सिस्टम से कुल 45 जिलों में आंधी-बारिश का दौर रहा। इनमें से 17 जिलों में ओले भी गिरे। तेज आंधी की वजह से केला, पपीता और गेहूं की फसलों पर असर पड़ा। ऐसे में अब किसान मुआवजे की मांग उठा रहे हैं।

सफेद गेंद की चकाचौंध और लाल गेंद के खेल से छिटकते युवा खिलाड़ी

वर्ल्ड क्रिकेट में अपनी धाक जमा चुके आईपीएल का नया सत्र 28 मार्च से शुरू होने वाला है। दो माह से अधिक चलने वाला क्रिकेट का यह टूर्नामेंट अब त्यौहार बन चुका है। विदेशी खिलाड़ियों का नजरिया व सोच इस टूर्नामेंट को लेकर जो भी हो, भारतीय युवा खिलाड़ियों की बात करें तो आईपीएल ने युवा खिलाड़ियों की सोच से रेड बॉल क्रिकेट को कोसों दूर कर दिया है। अब उन्हें क्रिकेट के असल रूप यानी टेस्ट क्रिकेट की तकनीक से कोई लेना देना नहीं रह गया है।1983 वनडे वर्ल्ड कप की ऐतिहासिक जीत के बाद साल 2007 में शुरू हुए टी 20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया ने साल दर साल सफेद गेंद में नये आयाम तय किये। टी20 फ़ॉर्मेट से प्रेरित होकर वर्ष 2008 में शुरू किए गये आईपीएल से भारतीय क्रिकेट में जो बदलाव आया उसने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस खेल की दिशा और दशा(व्यावसायिक और आर्थिक) ही बदल कर रख दी। आज भारतीय क्रिकेट टीम सफेद गेंद की बादशाह कही जाने लगी है,जबकि रेड बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया का ग्राफ विश्व क्रिकेट पटल पर नीचे की ओर गिरता जा रहा है। दरअसल नए फ़ॉर्मेट का वह अध्याय शुरू हुआ जिसनेपूरे क्रिकेट जगत पर कब्जा ही कर लिया।भले ही इस चकाचौंध वाली क्रिकेट के सामने रेड बॉल क्रिकेट ने दम तोड़ दिया हो,लेकिन क्रिकेट की पारखी नजर रखने वालों के लिए लाल गेंद क्रिकेट के मायने अब भी सफेद गेंद की तुलना में कहीं अधिक है। पिछले कुछ सालों में भारतीय क्रिकेट की उपलब्धि और पतन पर गौर करें तो इस खेल के व्यवसायीकरण की वजह देश के युवा खिलाड़ियों का रुझान सिर्फ सफेद गेंद क्रिकेट में सिमट कर रह गया है। आज देश के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों का मकसद किसी भी आईपीएल मैनजमेंट को अपनी ओर आकर्षित करना ही रह गया है। तमाम पूर्व खिलाड़ियों के द्वारा देश के कोने - कोने में कई क्रिकेट अकादमी का संचालन भी यही जताता है। अगर हम मौजूदा आईपीएल सत्र की ही बात करें तो इस बार कई ऐसे खिलाड़ियो ने बाजी मारी है जो घरेलू रणजी ट्रॉफी सीजन में कुछ खास नही कर सके। प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर 14 करोड़ से अधिक की बड़ी बोली भी कुछ ऐसा ही बयां करती है। इनके अलावा भी इस साल कई महँगी बोलियों में भी उन युवाओं ने ही बाजी मारी है। लाल गेंद के कई दिग्गज खिलाडी आस देखते रह गये। वजह एकदम साफ है कि युवाओं के लिए छोटे फ़ॉर्मेट के खेल में लंबी रेस में बने रहना भी आसान नही है।यश धूल और त्यागी जैसे कई अंडर19 चैंपियन खिलाड़ी इसकी चमक में बिखरते नजर आये। हम ऐसा भी बोल सकते है कि पैसों की बरसात करने वाली इस फटाफट क्रिकेट में बने रहना बेहद कठिन चुनौती है। बावजूद इसके सभी युवा खिलाड़ी अब इसी रेस में भाग रहे हैं क्योंकि इसकी लोकप्रियता और आर्थिक लाभ का अंतर लाल गेंद क्रिकेट से कहीं अधिक है। भले ही क्रिकेट में रेड बॉल की कोई भी अहमियत हो लेकिन अब इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि आज के समय मे साल भर रेड बॉल क्रिकेट में हिस्सा लेने वाले किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए 2 माह वाले सालाना आईपीएल का वजूद अधिक है। 2019 से शुरू हुई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में टीम इंडिया का पतन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। हमेशा से घरेलू जमीन की शेर कही जाने वाली टीम इंडिया का 23-25 संस्करण में घर पर पिटना तो यही बताता है। वहीं अब 25-27 टेस्ट चैंपियनशिप में भी अगर यही हाल रहता है तो फिर निश्चित तौर पर बीसीसीआई को रेड बॉल के बारे में कोई ठोस रणनीति तय करना पड़ेगी। वैसे भी अगर भारतीय क्रिकेट का डंका वर्ल्ड क्रिकेट में बजाना है तो फिर सभी फ़ॉर्मेट में काबलियत बताना होगी। देखना यह दिलचस्प रहेगा कि सफेद गेंद की चकाचौंध से प्रभावित युवा खिलाड़ियों की सोच व नजरिया बदलने के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड कब और कौनसे फॉर्मूले तय करता है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

पानी में रह जाते हैं प्लास्टिक के सूक्ष्म कण, कैंसर का बढ़ा खतरा

ट्रीटमेंट के बाद भी साफ नहीं हो रहा शहर का सीवेज एसटीपी से साफ पानी में भी माइक्रो प्लास्टिक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नदी-तालाबों को सीवर की गंदगी से बचाने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाए गए थे। कोशिश थी कि इनसे पानी को उपचारित कर ही जलस्रोतों में छोड़ा जाएगा, ताकि वे प्रदूषित होने से बच जाएं। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आइसर) भोपाल, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एन्वायर्नमेंटल हेल्थ (एनआईआरइएच) के शोध से पता चला है कि ये एसटीपी माइक्रो प्लास्टिक के खतरे को पूरी तरह नहीं रोक पा रहे हैं।

विज्ञानियों ने भोपाल के तीन और इंदौर के चार एसटीपी से नमूने एकत्र किए। इन नमूनों में अशोधित पानी, उपचारित पानी और प्लांट से निकलने वाली गाद (स्लज) का विश्लेषण किया गया। इससे पता चला कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स में आने वाले अशोधित पानी में प्रति लीटर 35 माइक्रोप्लास्टिक मौजूद थे। पानी को उपचारित करने के बाद भी यह मात्रा घटकर प्रति लीटर 13 माइक्रोप्लास्टिक की रह गई। यह कमी पर्याप्त नहीं मानी जा रही है, क्योंकि यह माइक्रोप्लास्टिक अंततः जलाशयों और नदियों में पहुंचकर जलीय जीवन और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बन रहा है।

प्रति किलो गाद में भी 390 सूक्ष्मकण मिले हैं जो बेहद खतरनाक हैं। शहरों में एसटीपी से उपचारित जल को स्वच्छ मानकर उन नदियों-तालाबों में छोड़ा जाता है, जिनके पानी को पेयजल के रूप में उपयोग किया जाता है। वहीं एसटीपी की गाद को अक्सर खेतों या खुले स्थानों पर छोड़ दिया जाता है, इससे अनाजों और सब्जियों में प्लास्टिक के प्रवेश की संभावना भी बढ़ जाती है।

पारंपरिक एसटीपी काफी नहीं

विज्ञानियों का कहना है कि वर्तमान में उपयोग होने वाली पारंपरिक एसटीपी तकनीकें माइक्रो प्लास्टिक को पूरी तरह हटाने में सक्षम नहीं हैं। अधिकांश संयंत्रों में तृतीयक उपचार (एडवांस्ड फिल्ट्रेशन और कीटाणुशोधन) की कमी है, जो इस समस्या को और बढ़ा रही है। इसके लिए मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन, हाइड्रोजेल तकनीक, कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड्स और पायरोलिसिस जैसी उन्नत तकनीकों की जरूरत है। इनसे 90 से 99 प्रतिशत तक माइक्रो प्लास्टिक हटाया जा सकता है, लेकिन देश में इनका उपयोग सीमित स्तर पर हो रहा है।

दो चरणों में काम पूरा होने पर मिलेगा मानदेय

खुद के मोबाइल से करना होगी जनगणना की ड्यूटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आगामी जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं दी जाएगी। उन्हें अपने निजी मोबाइल से ही पूरा काम करना होगा और टीए-डीए भी नहीं मिलेगा।

जनगणना निदेशालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश में 1 मई से मकान सूचीकरण और इसके बाद जनसंख्या गणना का काम शुरू होगा। इस बार पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से होगी, जिसके लिए प्रगणक और सुपरवाइजर को अपने स्वयं के मोबाइल फोन का उपयोग करना अनिवार्य किया गया है। निर्देशों में साफ किया गया है कि जनगणना कार्य के दौरान कर्मचारियों को यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। यानी फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों को अपने संसाधनों के साथ ही जिम्मेदारी निभानी होगी। भोपाल सहित प्रदेश के सभी जिलों में जनगणना की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि डेटा कलेक्शन और अन्य कार्य तय समय पर पूरे हो सकें।

संभागायुक्त को मिलेगा सबसे ज्यादा मानदेय

सरकार ने इस बार जनगणना से जुड़े सभी स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों का मानदेय भी पहले से तय कर दिया है। इसमें सबसे अधिक मानदेय संभागायुक्त और प्रमुख जनगणना अधिकारी को मिलेगा। दोनों चरण पूरे होने के बाद उन्हें कुल 60 हजार रुपए दिए जाएंगे।

किस अधिकारी-कर्मचारी को कितना मानदेय

प्रगणक और पर्यवेक्षक को पहले चरण में मकान सूचीकरण के लिए 9,000 और दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के लिए 16,000 दिए जाएंगे। इस तरह उन्हें कुल 25,000 मिलेंगे। राज्य स्तर पर काम करने वाले नोडल अधिकारी और समन्वयक को पहले चरण में 30,000 और दूसरे चरण में 45,000 मिलेंगे। कुल मिलाकर इन्हें 75,000 का मानदेय दिया जाएगा। वहीं, राज्य स्तर के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों (अधिकतम 5) को कुल 30,000 दिए जाएंगे। संभागायुक्त, प्रमुख जनगणना अधिकारी और अतिरिक्त प्रमुख अधिकारियों को सबसे ज्यादा मानदेय मिलेगा। इन्हें पहले चरण के बाद 25,000 और दूसरे चरण के बाद 35,000 दिए जाएंगे।

दुष्यंत पांडुलिपि संग्रहालय में नाट्य उत्सव का आयोजन

प्रतीकों के प्रयोग से विशेष बनी प्रस्तुति

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कबीला सोसाइटी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स द्वारा आयोजित चार दिवसीय नाट्य समारोह का आयोजन दुष्यंत पांडुलिपि संग्रहालय में किया गया। पहले दिन 'अनभिज्ञ' नाटक की प्रस्तुति ने दर्शकों को गहरे आत्ममंथन की यात्रा पर ले गया।

यह उत्सव वरिष्ठ रंगकर्मी स्व. समर सेन गुप्ता की स्मृति को समर्पित है, जिनकी रंगदृष्टि समाज और संवेदनाओं को मंच से जोड़ने का माध्यम रही है। मॉरिस लाज़रस द्वारा लिखित और निर्देशित नाटक 'अनभिज्ञ' को द परफॉर्मस सोशल कल्चरल एंड एजुकेशन सोसायटी के कलाकारों ने सशक्त अभिनय के साथ मंचित किया। यह नाटक अपने शीर्षक की तरह ही मनुष्य के भीतर छिपी उस अनभिज्ञता को उजागर करता है, जो स्वयं से दूरी और आत्म-स्वीकृति के बीच झूलती रहती है। नाटक में प्रतीकों का प्रयोग विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। एक प्रतीकात्मक 'प्रतीक्षा' जैसे कोई व्यक्ति किसी ट्रेन का इंतजार कर रहा हो दरअसल जीवन के उस मोड़ को दर्शाती है, जहां हर व्यक्ति अपने भीतर छिपे सत्य से मिलने की प्रतीक्षा करता है। यह प्रतीक्षा केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक यात्रा का संकेत है, जो दर्शकों को गहराई से जोड़ती है। कलाकारों के अभिनय में भावनात्मक तीव्रता और संवाद अदायगी की सटीकता ने नाटक के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। दर्शकों ने प्रस्तुति के अंत में तालियों की गूंज के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

नाटक की कथा चार पात्रों के माध्यम से आगे बढ़ती है, लेकिन यह चार चेहरों तक सीमित नहीं रहती यह पूरी पीढ़ी की मानसिक स्थिति और अस्तित्वगत संघर्ष का रूपक बन जाती है। पात्र अपने ही रचे हुए भंवर में उलझे हैं, जहां वे लगातार खुद से सवाल करते हैं क्या हम वास्तव में स्वयं को जानते हैं? यह प्रश्न नाटक के केंद्र में है, जो दर्शकों के भीतर गूंजता रहता है। 'अनभिज्ञ' रिश्तों की उस मौन पीड़ा को भी सामने लाता है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है।

भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म 6 के बाहर सड़क पर आया सीवेज का पानी

भोपाल। रेलवे स्टेशन 6 नंबर प्लेटफार्म पर मेट्रो निर्माण कार्य के कारण गंदा सीवेज का पानी यहां भरा रहा है जिस कारण यात्रियों के साथ यहां दुकान लगाने वाले लोग परेशान हैं। इस समस्या की ओर नगर निगम कोई ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों ने कहा यहां की सफाई व्यवस्था होना जरूरी है।

मैनिट में 'जल पर चर्चा' कार्यक्रम आयोजित

जल आनंद, जल ही पोषण, जल ही शक्ति और जल ही सृष्टा है...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व जल दिवस पर 'विकसित भारत 2047 एवं जल प्रबंधन' विषय पर मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 'जल पर चर्चा' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक डॉ. केके शुक्ल ने कहा कि जल ही आनंद, जल ही पोषण, जल ही शक्ति और जल ही सृष्टा है। उन्होंने जल के विविध आयामों पर चर्चा की तथा ऋग्वेद का उद्धरण दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत जल कलश भरन एवं स्वागत भाषण से हुई, जिसमें डॉ. एच.एल. तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा विश्व जल दिवस की अवधारणा एवं आवश्यकता पर बोलते हुए कहा कि विकसित भारत 2047 हेतु समुचित जल प्रबंधन भविष्य की अवश्यकता है। एसवीएनआईटी सूरत के प्रोफेसर डॉ. एस.एम. यादव ने बताया कि पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का मात्र 2.5 फीसदी ही मीठा पानी है, जिसमें से लगभग 68.7 फीसदी ग्लेशियर और हिमखंडों में बंद है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत के पास विश्व के केवल 4 फीसदी मीठे जल संसाधन हैं, जबकि यहां 18 फीसदी वैश्विक जनसंख्या निवास करती है, जो भविष्य में जल संकट को और गंभीर बना सकता है। उन्होंने 'वाटर एंड जेंडर' थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल संकट का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। आंकड़ों के अनुसार, विश्व की हर पांच में से एक महिला को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है और महिलाएं प्रतिदिन लगभग 25 करोड़ घंटे पानी लाने में व्यतीत करती हैं।

डॉ. यादव ने वैश्विक स्थिति को रेखांकित करते हुए बताया कि 2.2 अरब लोग सुरक्षित पेयजल से वंचित हैं, 3.4 अरब लोगों के पास सुरक्षित स्वच्छता सुविधाएं नहीं हैं तथा 1.7 अरब लोग बुनियादी स्वच्छता सेवाओं से वंचित हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मैनिट निदेशक डॉ. के.के. शुक्ल मौजूद रहे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय जल आयोग, भोपाल के निदेशक एम.डब्ल्यू. पौनिकर, डॉ. आर.एन. यादव डीन मैनिट सहित अन्य उपस्थित रहे।

धर्म सार्वभौमिक और नित्य है यह कॉस्मिक ऑर्डर है : कुलश्रेष्ठ

भोपाल। अनमास्किंग रिलीजन्स-अ धार्मिक रिस्पॉन्स का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। पुस्तक विमोचन के इस कार्यक्रम को संबोधित करते लेखक डॉ. मुकुल कुलश्रेष्ठ का ने धर्म और रिलीजन का अंतर स्पष्ट किया और रिलीजन यानि यहूदी, ईसाईयत और इस्लाम के मूलभूत सिद्धांतों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि धर्म सार्वभौमिक और नित्य है, यह कॉस्मिक ऑर्डर है जबकि रिलीजन मानव निर्मित है। इसलिए धर्म का अनुवाद रिलीजन नहीं किया जा सकता। रिलीजन का कोई संस्थापक होता है और उसके निर्देशित आदेशों को यथावत मानना आवश्यक होता है, उस पर प्रश्न करने, अनुभव करने या साक्षात्कार का विकल्प नहीं होता। यह एकमात्र गॉड, एक प्रोफेट और एक किताब पर आधारित है। रिलीजन को मूलतः अधर्म बताते हुए उनका कहना था कि सामी मज़हबों द्वारा प्रकृति पूजक सभ्यताओं के ऊपर यह मान्यताएं थोपने का प्रयास किया गया और अन्य ईश्वर रूपों को नकार दिया गया। धर्म और रिलीजन समान नहीं है। स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी में यंग थिंकर्स फोरम के पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में वह शामिल हुए थे। इस अवसर पर दीपक शर्मा, कलाकार देवीलाल पाटीदार और फोरम के निदेशक आशुतोष ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित थे।

विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन-लोकार्पण

बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने क्षेत्रीय विकास को नई गति देते हुए लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन कार्यों से न केवल आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलेगी, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा।

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र का हर नागरिक बेहतर जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि ये कार्य न केवल सुविधाएं बढ़ाएंगे, बल्कि क्षेत्र की समग्र प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राज्यमंत्री गौर ने बताया कि वार्ड क्रमांक 52 के नारायण नगर में लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सीवेज नेटवर्क कार्य का भूमिपूजन किया गया। यह परियोजना क्षेत्र में स्वच्छता, सुव्यवस्थित जल निकासी और बेहतर सुविधाओं को सुनिश्चित करते हुए जनजीवन को अधिक सुगम एवं स्वस्थ बनाएगी। वार्ड क्रमांक 54 स्थित फॉर्चून डिलाइट सोसायटी में मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधि-विधानपूर्वक किया गया। यह पहल क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र बनने के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेगी। वार्ड क्रमांक 52 के खनूजा इनक्लेव में डामर सड़क निर्माण कार्य एवं ओपन जिम का लोकार्पण किया गया।

मेट्रो एंकर

आद्या नाट्य समारोह का भारत भवन में हुआ समापन

स्त्री शक्ति, साहस-अंतर्मन की जटिल संवेदनाओं से कराया रूबरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बहुकला केंद्र भारत भवन में आयोजित स्त्री रचनाशीलता पर केंद्रित छह दिवसीय 'आद्या' नाट्य समारोह का समापन हुआ। रंगमंडल प्रभाग द्वारा संयोजित इस समारोह के अंतिम दिन मंचित नाटक 'सैनाणी' ने दर्शकों को स्त्री शक्ति, साहस और अंतर्मन की जटिल संवेदनाओं से रूबरू कराया।

'सैनाणी' का मूल भाव स्त्री के भीतर निहित उस अदम्य साहस और संघर्षशीलता को उजागर करता है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। नाटक की नायिका केवल एक पात्र नहीं, बल्कि वह प्रतीक है हर उस स्त्री का, जो अपने अधिकार, आत्मसम्मान और अस्तित्व की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहती है। कथा में स्त्री के भीतर चल रहे द्वंद्व, सामाजिक बंधनों की जकड़न और स्वतंत्रता की आकांक्षा को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया। निर्देशक ने नाटक को इस प्रकार मंचित किया कि हर दृश्य एक जीवंत चित्र की तरह उभरकर सामने आया। मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और संगीत का संतुलित प्रयोग दर्शकों को कथा के साथ गहराई से जोड़ता चला गया। संवादों की सशक्तता और अभिनय की सहजता ने प्रस्तुति को प्रभावशाली बना दिया। नाटक यह भी रेखांकित करता है कि समाज में वास्तविक परिवर्तन तब संभव है, जब स्त्री अपने भीतर की शक्ति को पहचानकर उसे अभिव्यक्त करे। लेखक संजय श्रीवास्तव द्वारा रचित व निर्देशक नीति श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक को क्रिएटिव आर्ट एंड कल्चर सोसायटी के कलाकारों ने जीवंत रूप दिया। प्रस्तुति ने यह सिद्ध किया कि रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के गहरे प्रश्नों और मानवीय भावनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच भी है। 80 मिनट अवधि के इस नाटक में दिखाया गया कि भारत का इतिहास शौर्य, त्याग और बलिदान की अनगिनत गाथाओं से भरा हुआ है, लेकिन राजस्थान का नाम आते ही वीरता की विशेष पहचान उभरकर सामने आती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर जिले के सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम के पीठाधीश विश्वगुरु स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज से भेंट की और जनकल्याण के लिए शुभाशीष प्राप्त किया।

स्पेसटेक नीति-2026 से मध्यप्रदेश बनेगा अंतरिक्ष तकनीक का प्रमुख केंद्र: सीएम का दावा

निवेश, नवाचार और स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति-2026 लागू की है। यह नीति स्पेसटेक नवाचार, विनिर्माण, अनुसंधान और तकनीक आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देकर प्रदेश को भारत की तेजी से विकसित हो रही अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है और भारत इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश अपनी मजबूत औद्योगिक संरचना, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, डिफेंस कॉरिडोर और उभरते टेक्नोलॉजी इको सिस्टम के कारण स्पेसटेक निवेश के लिए एक अनुकूल और आकर्षक गंतव्य बन रहा है। यह नीति प्रदेश की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को भविष्य उन्मुख तकनीकी नेतृत्व में बदलने का एक दूरदर्शी प्रयास है, जो युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करेगी और प्रदेश को स्पेसटेक सेक्टर में नई पहचान दिलाएगी।

इको सिस्टम के समग्र विकास का विजन है स्पेसटेक

स्पेसटेक नीति-2026 अंतरिक्ष क्षेत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी क्षेत्रों के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है।इसमें सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल कंपोनेंट निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग, मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस और एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।नीति में आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा और युवाओं को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्पेसटेक क्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा।

अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा नया आधार

नीति में स्पेसटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जहां अनुसंधान, नवाचार, प्रोटोटाइप विकास और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्मालसेट डिजिटल ट्विन लैब एण्ड स्पेस इनोवेशन सैंडबोक्स जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। उज्जैन में खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित कर प्रदेश की वैज्ञानिक विरासत को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाएगा।

स्टार्ट-अप और उद्योगों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन

नीति में स्टार्टअप्स को 75 लाख रुपये तक आइडिया-टू-प्रोटोटाइप अनुदान, एक करोड़ रुपये तक टेक्नोलॉजी अधिग्रहण सहायता और 200 करोड़ रुपये का रणनीतिक फंड निवेश, राज्य भागीदारी कोष से उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही एक पेटेंट पर 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, परीक्षण सुविधाओं के लिए 1 करोड़ रुपये तक सहायता और इसरो, इन-स्पेस और आईएसओ प्रमाणन के लिए 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 10 लाख रूपये) का प्रावधान किया गया है। डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव और इनक्यूबेशन सुविधाओं के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

निवेशकों के लिए सुगम प्रक्रियाएं| नीति के क्रियान्वयन के लिए एमपीएमईडीसी को नोडल एजेंसी बनाया गया है। निवेशकों और स्टार्टअप्स को सिंगल विंडो क्लीयरेंस, ऑनलाइन पंजीयन और सरल प्रक्रियाओं के माध्यम से सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेसटेक नीति-2026 प्रदेश में निवेश आकर्षित करने, उद्योगों को नई गति देने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह नीति मध्यप्रदेश को अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

सड़क धंसकने के बाद घंटों लग रहा जाम

जबलपुर की व्यवस्था में जहर घोल रही अमृत योजना में लापरवाही

ठेकेदार की इस लापरवाही पूर्ण कार्य करने की नगर निगम भी निगरानी नहीं कर रहा

जबलपुर शहर में इस तरह के घटिया कार्य से नागरिकों की परेशानी बढ़ रही है

रेलवे कॉलोनी बजरंग नगर से कांचघर चौक की रोड बारिश में कीचड़ से भरी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

अमृत योजना 2.0 के तहत हर घर नर्मदा जल पहुंचाने के कराए जा रहे कार्य में ठेकेदार और नगर निगम की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। पाइपलाइन बिछाने के कार्य में जहां सुरक्षा मानकों को दरकिनार किया जा रहा है, वहीं पाइपलाइन बिछाने के बाद खोदी गई सड़क को दुरुस्त करने के कार्य में भी हद दर्जे की लापरवाही की जा रही है।

कटंगा से गौरीघाट मार्ग पर जिन स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क का डामरीकरण किया गया, वहां गत दिनों हुई जरा सी बारिश से सड़क धंस गई और फिर टूटकर बिखर गई। गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ। इसी तरह अन्य स्थानों पर भी रेस्टोरशन कार्य प्रभावित हुआ है। ठेकेदार की इस लापरवाही पूर्ण कार्य करने की नगर निगम भी निगरानी नहीं कर रहा है। इस तरह के घटिया कार्य से नागरिकों की परेशानी बढ़ रही है। वहीं नगर निगम का जल विभाग जल्द ही ठेकेदार के माध्यम से सड़कों को दुरुस्त कराने की बात कर रहा है।

बिखरी सड़क, लग रहा जाम

गौरीघाट रोड पर बिग बाजार के पास खोदी गई सड़क में पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़क का रेस्टोरेशन कराया गया। परंतु रेस्टोरेशन कार्य में गुणवत्ता में कमी के कारण गत दिवस हुई वर्षा के कारण डामर सहित सड़क धंस गई और डामर बिखर गया। सड़क सकरी होने से शनिवार को यहां सुबह से रात तक जाम के हालात बने रहे। मां नर्मदा के दर्शन करने वाले श्रद्धालु भी नगर निगम के इस कार्यप्रणाली को कोसते रहे। इसी तरह कटंगा की तरफ भी रेस्टोरेशन के बाद सड़क धंस गई।

कांचघर रोड कीचड़ से सनी

इसी तरह रेलवे कॉलोनी बजरंग नगर से कांचघर चौक की तरफ भी अमृत योजना 2.0 के तहत पाइपलाइन बिछाई जा रही है। जिसके कारण सड़क खोदी जा रही है। जहां पाइपलाइप लाइन बिछा दी गई वहां अब तक रेस्टोरशन कार्य नहीं कराया गया। सामान्य मौसम में इस मार्ग पर धूल के गुबार उड़ रही वहीं गत दिनों हुई बारिश के बाद ये रोड कीचड़ तब्दील हो गई है। कई वाहन सवार फिसलकर गिर रहे हैं।

गौरीघाट ललपुर से रांझी तक बिछाई जा रही पाइपलाइन

विदित हो कि अमृत योजना 2.0 के तहत गौरीघाट के ललपुर से रांझी तक राइजिंग मेनलाइन बिछाई जा रही है। करीब 20 किमी तक बिछाई जाने वाली पाइपलाइन के लिए सड़कों की खोदाई की जा रही है। योजना का उद्देश्य शहर के एक लाख से अधिक घरों तक नर्मदा जल पहुंचाना है।

गर्मियों की छुट्टियों में रालामंडल जाने वालों को लगेगा झटका

बंद होने की कगार पर जंगल सफारी पांव-पांव ही नापना होगा पूरा रास्ता

इंदौर, दोपहर मेट्रो

गर्मियों की छुट्टियों में रालामंडल अभयारण्य से घूमने की योजना बना रहे है तो पर्यटकों को थोड़ी निराशा हो सकती है। कारण यह है कि अभयारण्य में शिकारगाह-जंगल सफारी की वाहनों से सैर करवाने वाली एजेंसी ने सुविधा बंद करने पर जोर दिया है। एजेंसी ने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर इसके बारे में कहा है। यहां अगले कुछ दिनों में जंगल सफारी बंद होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन अधिकारी एजेंसी की सेवा कुछ दिन और ले सकते है। यहां तक कि नए टेंडर निकाल दिया है। एजेंसी ने सेवा बंद करने के पीछे मुख्य कारण पर्यटकों की घटती संख्या और सफारी वाहनों के रखरखाव में आ रही दिक्कतें बताई गई हैं।

दरअसल सफारी संचालन कर रही मौजूदा एजेंसी ने वन विभाग को पत्र लिखकर साफ कर दिया है कि अब इस काम को जारी रखना उनके लिए संभव नहीं है। एजेंसी का कहना है कि साल के कुछ महीनों को छोड़कर यहां पर्यटकों की संख्या काफी कम रहती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। खासतौर पर जनवरी से मार्च के बीच बहुत कम लोग सफारी के लिए आते हैं। हैरानी वाली बात यह है कि इस एजेंसी का टेंडर 20 जुलाई 2025 को ही खत्म हो चुका था, लेकिन इसके बावजूद अभयारण्य प्रशासन ने अब तक नई एजेंसी नियुक्त नहीं की। लगभग नौ महीने बीत जाने के बाद भी नई व्यवस्था नहीं हो पाई है। हालांकि मार्च के दूसरे सप्ताह में नया टेंडर जारी किया गया, लेकिन अब तक किसी भी एजेंसी ने इसमें रुचि नहीं दिखाई है। रेंजर योगेश यादव का कहना है कि एजेंसी की समयावधि खत्म हो चुकी है। इस संबंध में वनमंडल को कई बार जानकारी भेजी गई है।

राजस्व पर पड़ेगा असर

स्थिति यह है कि फिलहाल एक ही वाहन से शिकारगाह और जंगल सफारी दोनों सुविधाएं दी जा रही हैं, जो व्यवस्थाओं की कमी को दर्शाता है। ऐसे में यदि सफारी पूरी तरह बंद होती है तो पर्यटकों को केवल पैदल घूमकर ही अभयारण्य का अनुभव लेना पड़ेगा। इस पूरे मामले से इंदौर वनमंडल में हड़कंप मचा हुआ है। खासकर इसलिए क्योंकि गर्मियों की छुट्टियां नजदीक हैं, जो पर्यटन के लिहाज से अहम समय होता है। यदि इसी दौरान सफारी बंद होती है तो इसका सीधा असर पर्यटक संख्या और राजस्व पर पड़ेगा।

ग्वालियर में अब खाद के लिए नहीं लगना होगा लाइन में, ई-टोकन से मिलेगी किसानों को खाद

ग्वालियर। जिले के अन्नदाताओं के लिए खेती-किसानी की राह अब और भी आसान होने जा रही है। प्रदेश सरकार की नई पहल के तहत अब जिले के किसानों को रासायनिक उर्वरक के लिए लंबी कतारों में लगकर पसीना नहीं बहाना होगा। जिला प्रशासन ने ई-विकास प्रणाली यानी ई-टोकन व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावी कर दिया है, जिससे खाद वितरण की प्रक्रिया न केवल पारदर्शी हुई है, बल्कि बिचौलियों के खेल पर भी लगाम लगेगी। कलेक्टर रुचिका चौहान ने कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इस नई व्यवस्था का लाभ जिले के हर गांव तक पहुंचे। ई-विकास पोर्टल पर पंजीयन की प्रक्रिया बेहद सरल है। किसान जैसे ही पोर्टल पर अपना आधार नंबर दर्ज करेंगे, उनके लिंक मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा। इसे सत्यापित करते ही ऑनलाइन पंजीयन पूर्ण हो जाएगा। इस सिस्टम की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें किसान की भूमि का विवरण एग्री स्टेक सिस्टम से स्वतः ही जुड़ जाता है।

डिजिटल टोकन की खासियत और वितरण प्रक्रिया - उप संचालक कृषि रणवीर सिंह जाटव के अनुसार, पंजीयन के बाद किसान को एक डिजिटल टोकन जारी किया जाता है। इस टोकन में कई जानकारियां स्पष्ट होती हैं। इनमें किसान का नाम और पंजीयन क्रमांक, खाद का प्रकार (यूरिया, डीएपी आदि) और उसकी सटीक मात्रा, वितरण केंद्र का नाम, खाद लेने के लिए निर्धारित तारीख और समय मिलता है। यह टोकन एसएमएस, मोबाइल ऐप या वेब पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

श्री अन्न उपार्जन योजना के नाम पर वसूली

आदिवासी किसानों से कोदा-कुटकी खरीदा नहीं फिर भी खरीद लिए 50 लाख रु. के पीपी बैग!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में श्री अन्न (कोदो-कुटकी) प्रोत्साहन योजना में घोटाले का मामला सामने आया है। आदिवासी किसानों से कोदा-कुटकी की खरीदी हुई नहीं, जबकि 50 लाख रुपये के पीपी बैग खरीद लिए गए। अब इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को शिकायत की गई है। बता दें, प्रदेश में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अंतर्गत रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना लागू है, जिसके तहत करीब 105 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई। पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद पिछले दो वर्षों से किसानों से ना तो फसल खरीदी गई और ना ही उन्हें किसी प्रकार का भुगतान किया गया। वहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि श्री अन्न प्रोत्साहन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (फेडरेशन) द्वारा खरीदी प्रक्रिया में अनियमितताएं की जा रही हैं। बिना किसी स्पष्ट खरीदी प्रक्रिया के करीब 50 लाख रुपये के पीपी बैग मनमाने दामों पर खरीदे गए।

शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि इस खरीदी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जिसमें निविदा प्रक्रिया, प्राप्त आवेदनों और चयनित सप्लायर की जानकारी सार्वजनिक की जाए।

श्री अन्न प्रोत्साहन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (फेडरेशन) को करीब 30,000 मीट्रिक टन मोटे अनाज खरीदी का लक्ष्य तय दिया गया था। इसमें बताया गया कि कुटकी की प्रति क्विंटल कीमत 3,500 रुपये और कोदो की प्रति क्विंटल कीमत 2,500 रुपये तय की गई है। साथ ही योजना के तहत पंजीयन के बाद 1000 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने का प्रावधान है। हद तो यह है कि रीवा सहित कई जिलों में किसानों से पंजीयन के नाम पर 300 रुपये वसूले गए।

उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग

शिकायत में कंपनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन पर नियुक्ति शर्तों का उल्लंघन और मानदेय भी बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया और सलाहकार समिति की अनुशंसा के बढ़ाया गया है। पूर्व विधायक सकलेचा ने बताया कि उन्होंने मामले में मुख्यमंत्री और कृषि विभाग के सचिव को शिकायत की है। इसमें पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि आदिवासी किसानों को उनका उचित हक मिल सके।

शिकायत मिली, दिखवा रहे

मामले में विभाग के सचिव निशांत बरवड़े को संपर्क किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। वहीं, विभाग के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने के अनुरोध पर बताया कि विभाग को शिकायत मिली है। उसके बिन्दूओं को देखवा रहे हैं।

सिंहस्थ से पहले अखाड़ों में दो फाड़

उज्जैन पहुंचे पुरी, बोले-मैं परिषद का अध्यक्ष, आठ अखाड़े मेरे साथ

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ से पहले अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पद को लेकर विवाद सामने आया है। इस पद पर दो दावे किए जा रहे हैं। 13 अखाड़े दो गुट में बंटे नजर आ रहे हैं। एक धड़ा निरंजनी अखाड़े के रविंद्र पुरी को अध्यक्ष मानता है, जबकि दूसरा महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव रविंद्र पुरी को अध्यक्ष बता रहा है। एक जैसा नाम होने से असमंसज की स्थिति बनी है।

उज्जैन में वर्ष 2028 में सिंहस्थ महाकुंभ आयोजित होने वाला है। सिंहस्थ को लेकर जहां एक और सरकार और प्रशासन बड़े स्तर पर तैयारी कर रहा है तो वहीं दूसरी और साधु संतों में दो फाड़ दिखाई दे रही है। देश के 13 अखाड़े में से 8 अखाड़ों का समर्थन महानिर्वाणी

अखाड़े के रविंद्र पूरी महाराज को मिला है। इसी बीच रविवार को मंगलनाथ मार्ग स्थित निर्वाणी अणि अखाड़ा में संतों का समागम हुआ। संतों के इस समागम में 13 में से 8 अखाड़ों के साधु संत शामिल हुए। खास बात यह रही कि यहां हरिद्वार से पहली बार आए महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव संत रविंद्र पुरी महाराज स्वागत सम्मान हुआ। इसके बाद रविंद्र पुरी महाराज ने मीडिया से कहा कि वे खुद वर्तमान में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष हैं।

दोपहर मेट्रो

नदी में रेत कम हुई तो खेत में लगाने लगे; 4 महीने में 4 लाख की शुद्ध बचत

बैतूल जिले के किसान ने बंजर खेत में उगाए तरबूज

शाहपुर, दोपहर मेट्रो

बैतूल जिले के घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के हीरापुर-2 गांव के किसान दिलीप मंडल ने बंजर और बिना पानी की सुविधा वाली जमीन को उपजाऊ और सिंचित बना कर हरा-भरा कर दिया है। वे बीते 5 सालों से धान की फसल निकालने के बाद यहां तरबूज की खेती कर चार माह में 3 से 6 लाख रुपए की कमाई कर लेते हैं। किसान दिलीप मंडल ने बताया कि मैं अभी तरबूज लगा रहा हूं। इस जमीन पर 10 साल पहले कंटीली झाड़ियां थीं। जमीन भी समतल नहीं थी, बमुश्किल बरसात की फसल लेते थे। लोग तवा नदी में तरबूज लगाते थे। धीरे-धीरे नदी में रेत घटने से लोग खेतों में तरबूज लगाने लगे। हमने भी खेत को समतल कर यहां निजी तालाब बनाकर तरबूज और रबी फसल लगाना शुरू किया। वर्तमान में 5 एकड में तरबूज लगा है जो 15 मार्च के बाद बाजार में आ जाएगा। बता दें, बंगाली समाज को बसाने के लिए यहां पुनर्वास क्षेत्र हीरापुर 2 बनाया गया था।

अब जानिए 5 एकड़ जमीन में खेती का गणित

पांच एकड़ जमीन में दो किलो बीच लगता है। वर्तमान में कलिया गोल्ड और करन वैरायटी का बीज लगाया है। जिसकी कीमत 32 हजार रुपए किलो है।

विवरण	आंकड़े (लगभग)
कुल लागत	2.5 लाख (बीज, खाद, मेहनत)
समय अवधि	3 से 4 महीने
पैदावार	10 टन से 25 टन प्रति एकड़
बाजार भाव	10 से ?20 प्रति किलो
कुल कमाई	3 लाख से ?6 लाख
पिछली बचत	3.75 लाख (शुद्ध मुनाफा)

ढाई लाख का खर्च, बचत 4 लाख तक- 5 एकड़ में 2 किलो बीज डाला है। फसल तैयार होने तक लगभग ढाई लाख रुपए का खर्च आता है। 3 से 4 माह में तरबूज निकल जाता है। खेत से ही फसल बेच लेते हैं। प्रति एकड़ 10 टन से 25 टन तक फसल निकल आती है। रेट 10 से 20 रुपए किलो के बीच मिलता है। तरबूज कोलकाता समेत देश के कई हिस्सों में सप्लाई होता है। अभी 3 किलो वजन का तरबूज है, जो 7 किलो तक का हो जाता है। गत वर्ष 3 लाख 75 हजार रुपए की बचत थी।

किसान ने इस खास तकनीक से की खेती

बीज अंकुरण: सीधे खेत में बीज डालने के बजाय पहले उन्हें अंकुरित किया जाता है।

बुवाई का तरीका: 2 गुणा 3 इंच के गड्ढे में 3 बीज और 200 ग्राम गोबर की खाद का मिश्रण डाला जाता है।

सिंचाई प्रबंधन: जब पौधे में 3-4 पत्तियां आ जाए, तब पानी शुरू किया जाता है। खेत में नमी बनाए रखना अनिवार्य है।

पोषण: फसल के बीच में दो बार जैविक और रासायनिक खाद का संतुलित उपयोग।

उपलब्धि के साथ चुनौती

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट 'लेवल एंड ट्रेंड्स इन चाइल्ड मॉर्टेलिटी 2025' भारत के लिए एक दोहरी तस्वीर पेश करती है- एक ओर उल्लेखनीय उपलब्धि, तो दूसरी ओर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत। वैश्विक स्तर पर पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मौतों का आंकड़ा 2024 में घटकर 49 लाख रह जाना निश्चित ही राहत देने वाला है। इस सकारात्मक बदलाव में भारत की भूमिका न केवल अहम रही है, बल्कि प्रेरणादायक भी है। पिछले तीन दशकों में भारत ने बाल मृत्यु दर में जिस तरह की गिरावट दर्ज की है, वह सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों की सफलता का प्रमाण है। 1990 में जहां प्रति हजार जीवित जन्मों पर 127 बच्चों की मृत्यु होती थी, वहीं अब यह आंकड़ा घटकर 27 पर आ गया है। नवजात मृत्यु दर में भी इसी तरह का सुधार दिखता है। यह उपलब्धि किसी एक योजना का परिणाम नहीं, बल्कि टीकाकरण अभियानों, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और नवजात देखभाल सुविधाओं के विस्तार जैसे समन्वित प्रयासों का नतीजा है। निमोनिया, डायरिया और मलेरिया जैसी बीमारियों से होने वाली मौतों में कमी भी भारत की बड़ी उपलब्धि है। इन बीमारियों की रोकथाम संभव है और भारत ने इस दिशा में प्रभावी कदम उठाकर लाखों बच्चों को जीवन दिया है। लेकिन इन उपलब्धियों के बीच एक कड़वा सच भी छिपा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज भी देश में हर साल लाखों बच्चे पांच वर्ष की आयु से पहले दम तोड़ देते हैं। इनमें नवजात शिशुओं की संख्या सबसे अधिक है। समय से पहले जन्म, जन्म के दौरान जटिलताएं और संक्रमण जैसी समस्याएं अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। यह स्थिति बताती है कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में अभी भी असमानता मौजूद है, खासकर ग्रामीण औरदूरदराज के इलाकों में। यहीं पर नीति निर्माताओं और सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। अब फोकस केवल मृत्यु दर घटाने पर नहीं, बल्कि नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल, प्रसव पूर्व और प्रसव के बाद की सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने पर होना चाहिए। स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ जागरूकता और पोषण जैसे पहलुओं पर भी समान रूप से ध्यान देना जरूरी है। भारत ने सतत विकास लक्ष्यों के तहत बाल मृत्यु दर को और कम करने का जो संकल्प लिया है, वह सराहनीय है। लेकिन इसे हासिल करने के लिए केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करना होगा।

युद्ध से बने वैश्विक संकट के बीच अब विश्व राजनीति में भारतीय चांदी का सिक्का

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम एशिया के युद्ध से बने वैश्विक संकट में भारत का सिक्का कितना जम रहा ? इसका उत्तर तो स्थितियां सुधरने के बाद पता चलेगा। लेकिन यह याद दिलाना जरुरी है कि 1950 के दशक में चीन के कुछ क्षेत्रों में भारतीय चांदी का बड़ा सिक्का खूब चलता था। सो अब आने वाले वर्षों में भारत की साख सोने की चिड़िया की न सही चांदी के सिक्के वाली कूटनीति से तो बढ़ा सकते हैं। बशर्ते लोकतांत्रिक व्यवस्था के बावजूद व्यापक राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय हितों पर राजनीतिक सहमति बनती रहे। ईरान इजराइल अमेरिकी युद्ध में प्रतिपक्ष या पुराने विचार वाले मीडिया मुग़ल बार बार सवाल उठा रहे हैं कि भारत खुलकर ईरान का समर्थन क्यों नहीं करता या क्यों नहीं सीधे अमेरिका इजराइल के प्रति झुकाव दिखाता है ? मैं नेहरु इंदिरा युग की नहीं कांग्रेस के ही प्रधान मंत्री नरसिम्हा राव के सत्ता काल में ईरान के साथ गहरे रिश्तों के बावजूद 1992 - 93 में इसराइल को भारत में पूर्ण दूतावास के साथ राजदूत रखने की अनुमति की याद दिला सकता हूँ। उसी समय इस्राईल के नए राजदूत के नई दिल्ली के बाराखंभा रोड की एक बिल्डिंग के एक फ्लोर पर मैंने दैनिक हिंदुस्तान के लिए इंटरव्यू किया था। यही नहीं कुछ समय बाद राव सरकार की जानकारी में ईरान की अयातुल्ला सरकार ने मुझ जैसे तीन चार सम्पादकों को एक सप्ताह के लिए ईरान आमंत्रित किया था। इनमें नेशनल हेराल्ड के संपादक श्रीराम शर्मा शामिल थे। इस यात्रा के बाद हिंदुस्तान अखबार में ही मैंने एक पूरे पेज का लेख लिखा था। इसी तरह पश्चिमी प्रभाव के बावजूद राव साहब ने 1993 में बीजिंग जाकर चीन से पहला बड़ा मैत्री समझौता किया था। संयोग से तब भी मैं वहां उपस्थित था। तो संतुलन का सिलसिला हर तरफ चलता रहा है।

वर्तमान विश्व राजनीतिक सामरिक संकट पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सीमित सार्वजनिक बयान और एक हद तक मौन पर भी कुछ सवाल उठ रहे हैं। इसी सन्दर्भ में मुझे आधुनिक राजनीति के चाणक्य समझे जाने वाले नरसिम्हा राव द्वारा विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ सहयोगी राजनयिक श्याम शरण से कही गई एक बात याद आती है। किसी अच्छे मूड में राव साहब ने श्याम शरणजी से कहा - ' जानते हैं भारत में सबसे सफल नेता कौन हो सकता है ? ' शरण कोई उत्तर सोच सकें इससे पहले ही राव साहब ने खुद बता दिया - ' सबसे सफल राजनेता को निर्मम होने के साथ तपस्वी की तरह भी शांत रहना होगा। ' श्याम शरणजी ने अपनी एक किताब में भी इस बात का उल्लेख पहले किया है। इस दृष्टि से युद्ध और ऊर्जा पैट्रॉल गैस इत्यादि के संकट में भारत की असली तटस्थता ही सही पुरानी गुट निरपेक्षता (नॉन एलाइनमेंट समूह) का रुप है।

यों उस समय गुट निरपेक्ष देशों के समूह में अधिकांश सोवियत रुस के समर्थक देश थे। एक दो उदाहरण की ओर ध्यान दिलाया जा सकता है। 1983 में सातवां नॉन एलाइनमेंट सम्मेलन दिल्ली के विज्ञान भवन में हुआ और इसका उद्घाटन क्यूबा के राष्ट्रपपति फिदेल कास्त्रो ने किया। यही नहीं फिलिस्तीनी नेता यासिर अराफात सर्वाधिक महत्व पा रहे थे। एक मौके पर वह जॉर्डन को लेकर भड़के तो उन्हें श्रीमती इंदिरा गांधी ने किसी तरह मनाकर बहिष्कार से रोका। तब भी ईरान इराक और कम्पूचिया के विवाद गंभीर थे। बहरहाल वर्तमान परिदृश्य में भी ईरान इसराइल , अमेरिका , रुस , चीन और यूरोप के साथ संबंधों के तार जोड़कर मोदी सरकार भारतीय हितों और दूरगामी आर्थिक संबधों की रक्षा का प्रयास कर रही है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विदेश नीति को तीन आधारों पर रखाः गुटनिरपेक्षता , उपनिवेशवाद-विरोध , अरब देशों और फ़िलिस्तीन के समर्थन। इसी कारण शुरुआती दशकों में भारत ने इज़राइल से दूरी और ईरान व अरब देशों से निकटता बनाए रखी।भारत और ईरान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिकसंबंध हजारों वर्षों पुराने हैं: फ़ारसी भाषा का भारतीय प्रशासन और संस्कृति पर गहरा प्रभाव रहा। सूफी परंपरा और साहित्यिक संबंध रहे। 1950-70 के दशक में ईरान, अमेरिका के करीब था। भारत गुटनिरपेक्ष रहा, लेकिन दोनों के बीच व्यापार चलता रहा। ऊर्जा (तेल) का बड़ा स्रोत ईरान बना। इस्लामिक क्रांति के बाद (1979) ईरानी इस्लामिक क्रांति के बाद ईरान पश्चिम विरोधी हो गया। भारत ने संतुलन बनाए रखा। दोनों देशों के संबंध जारी रहे 1990 के बाद सोवियत संघ के पतन के साथ भारत और ईरान ने सहयोग बढ़ाया। चाबहार बंदरगाह परियोजना योजना उसीका हिस्सा है। चाबहार पोर्ट भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान तक पहुँच देता है। ऊर्जा और आर्थिक संबंध ईरान भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहा। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण व्यापार प्रभावित हुआ। फिर भी भारत ने संतुलित नीति रखी भारत ईरान से संबंध बनाए रखता है लेकिन अमेरिका और इज़राइल के साथ संबंधों को ध्यान में रखते हुए सावधानी रखता है। इसलिए वर्तमान युद्ध के क्षेत्रीय तनाव में भी भारत ने 'संयम और संवाद' की अपील की दूसरी तरफ भारत ने 1950 में इज़राइल को मान्यता दी , लेकिन पूर्ण राजनयिक संबंध नहीं बनाए थे , क्योंकि अरब देशों से संबंध और फ़िलिस्तीन का समर्थन जारी था। फिर भी गुप्त सहयोग जारी रहा। 1962, 1965, 1971 युद्धों में इज़राइल ने मदद की प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव के सत्ता में आने पर 1992 में बड़ा बदलाव हुआ 729 जनवरी 1992 को पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए। नई दिल्ली में इज़राइल दूतावास खुला। यह भारत की विदेश नीति में ऐतिहासिक मोड़ था। 1990-2010 रणनीतिक साझेदारी के तहत रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा।1999 कारगिल युद्ध में इज़राइल ने हथियार दिए। मिसाइल, ड्रोन, निगरानी तकनीक में सहयोग दिया।2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौर में मजबूत सम्बन्ध होने लगे। 2017 में पहली बार भारतीय प्रधान मंत्री का इज़राइल दौरा हुआ। रक्षा, कृषि, तकनीक, ए आई में सहयोग के समझौते हुए। इज़राइल भारत का प्रमुख रक्षा साझेदार बना भारत हर साल अरबों डॉलर के रक्षा उपकरण खरीदता है। 2020 के बाद तो सामरिक संबंध ('Strategic Partnership ') बन चुके हैं। संतुलन - ईरान और इज़राइल दोनों के साथ भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलता ईरान और इज़राइल दोनों के साथ संतुलन है। जरूरी है यह संतुलन क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा (ईरान) रक्षा और तकनीक (इज़राइल) पश्चिम एशिया में भारतीय प्रवासी, और वैश्विक राजनीति में संतुलन का रुख अपनाना।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

शहीद दिवस विशेष

आज भी जिंदा हैं भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के विचार

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

देश के महान वीर सपूतों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिवर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है, जो प्रत्येक भारतवासी को गौरव का अनुभव कराता है। यह वही दिन है, जब अंग्रेजों से भारत की आजादी के लिए लड़े भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजों ने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में फांसी पर लटका दिया था। हालांकि पहले इन वीर सपूतों को 24 मार्च 1931 को फांसी दी जानी थी लेकिन इनके बुलंद हौंसलों से भयभीत ब्रिटिश सरकार ने जन आन्दोलन को कुचलने के लिए उन्हें एक दिन पहले 23 मार्च 1931 को ही फांसी दे दी थी।

क्रांतिकारी राजगुरु और सुखदेव का नाम हालांकि सदैव शहीदे आजम भगत सिंह के बाद ही आता है लेकिन भगत सिंह का नाम आजादी के इन दोनों महान क्रांतिकारियों के बगैर अधूरा है क्योंकि इनका योगदान भी भगत सिंह से किसी भी मायने में कमतर नहीं है। तीनों की विचारधारा एक ही थी, इसीलिए तीनों की मित्रता बेहद सुदृढ़ और मजबूत थी। भगत सिंह और सुखदेव के परिवार लायलपुर में आसपास ही रहते थे और दोनों परिवारों में गहरी दोस्ती थी। 15 मई 1907 को पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव भगत सिंह की ही तरह बचपन से आजादी का सपना पाले हुए थे। भगत सिंह, कामरेड रामचन्द्र और भगवती चरण बोहरा के साथ मिलकर उन्होंने लाहौर में नौजवान भारत सभा का गठन कर सॉन्डर्स हत्याकांड में भगतसिंह तथा राजगुरु का साथ दिया था।

24 अगस्त 1908 को पुणे के खेड़ा में जन्मे राजगुरु छत्रपति शिवाजी की छापामार शैली के प्रशंसक थे और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से काफी प्रभावित थे। अच्छे निशानेबाज रहे राजगुरु का रुझान जीवन के शुरुआती दिनों से ही क्रांतिकारी गतिविधियों की तरफ होने लगा था। वाराणसी में उनका सम्पर्क क्रांतिकारियों से हुआ और वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी से जुड़ गए। चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह और जतिन दास राजगुरु के अभिन्न मित्र थे। पुलिस के बर्बर लाठीचार्ज के कारण स्वतंत्रता संग्राम के दिग्गज नेता लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए राजगुरु ने 19 दिसम्बर 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर लाहौर में जॉन सॉन्डर्स को गोली मारकर स्वयं को गिरफ्तार करा दिया था और भगत सिंह वेश बदलकर कलकत्ता निकल गए थे, जहां उन्होंने बम बनाने की विधि सीखी। भगत सिंह बिना कोई खून-खराबा किए ब्रिटिश शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना चाहते थे लेकिन तीनों क्रांतिकारियों को अब यकीन हो गया था कि पराधीन भारत की बेड़ियां केवल अहिंसा की नीतियों से नहीं काटी जा सकती। इसीलिए उन्होंने अंग्रेजों की मजदूरों के प्रति शोषण की नीतियों के पारित होने के खिलाफ विरोध प्रकट करने के लिए लाहौर की केंद्रीय असेम्बली में बम फेंकने की योजना बनाई।

1929 में चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में पब्लिक सेफ्टी और ट्रेड डिस्प्यूट बिल के विरोध में सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के लिए हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की पहली बैठक हुई। योजनाबद्ध तरीके से भगत सिंह ने 08 अप्रैल 1929 को बटुकेश्वर दत्त के साथ केन्द्रीय असेंबली में एक खाली स्थान पर बम फेंका, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि वे चाहते तो भाग सकते थे लेकिन भगत सिंह का मानना था कि गिरफ्तार होकर वे बेहतर तरीके से अपना संदेश दुनिया के सामने रख पाएंगे। असेंबली में फेंके गए बम के साथ कुछ पर्चे भी फेंके गए थे, जिनमें भगत सिंह ने लिखा था कि आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचारों को नहीं। बड़े साम्राज्यों का पतन हो जाता है लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है।

हालांकि भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था लेकिन पुलिस ने तीनों को जॉन सॉन्डर्स की हत्या के लिए आरोपित किया। गिरफ्तारी के बाद सॉन्डर्स की हत्या में शामिल होने के आरोप में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव पर देशद्रोह तथा हत्या का मुकदमा चलाया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। इसी मामले को बाद में लाहौर षड्यंत्र केस के नाम से जाना गया। भगत सिंह और उनके साथियों ने 64 दिनों तक भूख हडताल की। 23 मार्च 1931 की शाम भारत मां के इन तीनों महान वीर सपूतों को फांसी दे दी गई।

फांसी पर जाते समय तीनों एक स्वर में गा रहे थे-
दिल से निकलेगी न मरकर भी वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए वतन आएगी।

ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले इन तीनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को देश सदैव याद रखेगा। वतन के लिए त्याग और बलिदान इनके लिए सर्वोपरि रहा। इनके विचार आज भी देश के करोड़ों युवाओं का मार्गदर्शन करते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

गर्मियों में शुगर लेवल गड़बड़ होने की संभावना ज्यादा, हाइड्रेटेड रहना जरूरी

गर्मियों की शुरुआत हो चुकी है और यह मौसम अपने साथ कई परेशानियां भी लेकर आता है। गर्मियों का मौसम डायबिटीज के मरीजों के लिए ज्यादा चैलेंजिंग होता है, क्योंकि इस दौरान ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव आने लगता है। अक्सर देखा जाता है कि डायबिटीज के मरीजों को तपती गर्मी और उमस के दौरान अपनी शुगर कंट्रोल करने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। डॉक्टर्स की मानें तो तापमान बढ़ने का असर हमारे मेटाबॉलिज्म और इंसुलिन के उपयोग करने की क्षमता पर पड़ता है। इसलिए गर्मियों में शुगर लेवल गड़बड़ होने लगता है। नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के अनुसार गर्मियों में शुगर लेवल बढ़ने की सबसे बड़ी वजह शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन है। जब पसीने के जरिए शरीर से पानी ज्यादा निकलता है, तो खून में पानी की मात्रा कम हो जाती है और खून गाढ़ा होने लगता है। ऐसी कंडीशन में खून में मौजूद ग्लूकोज की कंसंट्रेशन बढ़ जाती है, जिससे शुगर लेवल हाई दिखाई देता है। इसके अलावा पानी की कमी होने पर किडनी को एक्स्ट्रा शुगर बाहर निकालने में मुश्किल होती है। डॉक्टर ने बताया कि तेज धूप और उमस के कारण शरीर का तापमान बढ़ जाता है, जिसे कंट्रोल करने के लिए शरीर को ज्यादा एनर्जी खर्च करनी पड़ती है। अत्यधिक गर्मी शरीर में स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ाती है, जो सीधे तौर पर शुगर लेवल को गड़बड़ कर देते हैं। कुछ मरीजों में गर्मी के कारण ब्लड वेसल्स फैल जाती हैं, जिससे इंसुलिन का अवशोषण तेज हो जाता है और शुगर लेवल अचानक गिर भी सकता है। यह कंडीशन भी खतरनाक मानी जाती है।

एक्सपर्ट की मानें तो अक्सर लोग गर्मी से राहत पाने के लिए कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस, आइसक्रीम या शिकंजी का सेवन शुरू कर देते हैं। इन चीजों में मौजूद हाई शुगर और कैलोरी ब्लड शुगर को तुरंत बढ़ा देती है। इसके अलावा गर्मी की वजह से शारीरिक गतिविधि कम हो जाना या नींद पूरी न होना भी मेटाबॉलिज्म को सुस्त कर देता है। खान-पान में की गई ये छोटी-छोटी लापरवाहियां गर्मियों में डायबिटीज मैनेजमेंट को पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं।

डॉक्टर की सलाह : डॉक्टर रावत के अनुसार गर्मी के मौसम में डायबिटीज के मरीज खुद को हाइड्रेटेड रखें। पानी, नींबू पानी या छाछ का नियमित सेवन करें। अपनी इंसुलिन और दवाओं को ठंडी जगह पर रखें, क्योंकि ज्यादा गर्मी में इंसुलिन बेअसर हो सकता है। बाहर निकलते समय सनस्क्रीन और आरामदायक सूती कपड़ों का प्रयोग करें, ताकि हीट स्ट्रोक से बचा जा सके। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गर्मियों में अपने शुगर लेवल की जांच सामान्य से ज्यादा बार करें, ताकि किसी भी बदलाव का तुरंत पता चल सके और आप डॉक्टर से कंसल्ट कर सकें।

सुविचार

मेहनत का फल और समस्या का हल देर से ही सही, लेकिन मिलता जरूर है ।

-अज्ञात

वास्तु चर्चा

अच्छी नींद और सुकून के लिए बेडरूम में दिशाओं का रखें ध्यान, सकारात्मक ऊर्जा भी मिलेगी

क्या आप अच्छी नींद और सुकून चाहते हैं? दिन भर की थकान के बाद, अपने बेडरूम में जाकर लेटना और अच्छी नींद लेना सुकून देता है। बेडरूम के लिए वास्तु टिप्स अपनाने से कमरे को सकारात्मक ऊर्जा से भरने में मदद मिल सकती है। सही दिशाओं, रंगों और लेआउट को समझने से आपके जीवन में बेहतर नींद और सामंजस्य के लिए सकारात्मकता का संचार होगा।

वास्तुकला का प्राचीन विज्ञान, वास्तु शास्त्र, शयनकक्ष में ब्रह्मांडीय ऊर्जा का उपयोग करता है और सुख-समृद्धि का संचार करता है।

वास्तु इस सिद्धांत पर आधारित है कि पाँच प्राकृतिक तत्वों - पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल और आकाश - के बीच संतुलन होना चाहिए। इन तत्वों का सही संतुलन बनाकर आप अपने घर और शयनकक्ष को शांतिपूर्ण बना सकते हैं। बेडरूम में वास्तु के अनुसार तस्वीरें लगाना, कमरे को सुंदर और निजी बनाने का एक बेहद आसान तरीका है। बेडरूम के लिए वास्तु के बारे में सब कुछ जानने के लिए आगे पढ़ें। सिद्धांतों के अनुसार, मास्टर बेडरूम के लिए सबसे अच्छी दिशा घर का दक्षिण-पश्चिम कोना है। अतिथि शयनकक्ष और बच्चों का शयनकक्ष उत्तर-पश्चिम कोने में होना चाहिए। बेडरूम के लिए वास्तु के अनुसार, इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पूर्व और उत्तर दिशा की दीवारों पर ढेर सारी खिड़कियाँ हों। साथ ही, दरवाज़े हमेशा 90ए के कोण पर खुलने चाहिए। शयनकक्ष उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह प्रार्थना और पूजा कक्ष के लिए आदर्श है। इसके अलावा, शयनकक्ष कभी भी दक्षिण-पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह घर का अग्नि चतुर्थांश है। दक्षिण-पूर्व दिशा में मुख्य शयनकक्ष होने से झगड़े और गलतफहमियाँ पैदा होंगी। बेडरूम का दरवाज़ा दीवारों के उत्तर, पूर्व या पश्चिम दिशा में होना चाहिए। वास्तु के अनुसार, बेडरूम के लिए सिंगल दरवाज़ा आदर्श होता है।

उत्तर पूर्व बेडरूम के लिए वास्तु: यदि आपका शयनकक्ष उत्तर-पूर्व दिशा में है, तो चिंता न करें, कुछ उपाय हैं जिनका आप पालन कर सकते हैं और इससे कमरा सकारात्मकता और खुशी से भर जाएगा। कमरे में लैवेंडर-सुगंधित धूप या सुगंध का प्रयोग करें, और यह वास्तु दोषों से लड़ता है। कमरे में एक कटोरी समुद्री नमक रखें। भगवान गणेश और/या देवी लक्ष्मी की तस्वीरें भी कमरे को सकारात्मक ऊर्जा से भर देती हैं और वास्तु दोष को दूर करती हैं।

बेडरूम के बिस्तर की स्थिति: वास्तु के सिद्धांतों के अनुसार, बिस्तर दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए और सिर दक्षिण या पूर्व दिशा में होना चाहिए, क्योंकि इससे शरीर सकारात्मक ऊर्जा ग्रहण करता है। बिस्तर कभी भी उत्तर दिशा में नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे तनाव होता है। शयन कक्ष के लिए वास्तु के अनुसार बिस्तर लकड़ी से बना होना चाहिए तथा उसका आकार नियमित होना चाहिए - जैसे कि आयताकार या वर्गाकार। इसके अलावा, बिस्तर को सीधे बीम के नीचे नहीं रखना चाहिए। अगर बीम है, तो आपको फॉल्स सीलिंग इंटीरियर डिज़ाइन पर विचार करना चाहिए।

यूजर्स गाइड

स्मार्ट फोन पर सस्ते स्क्रीन गार्ड से सुरक्षित नहीं होती स्क्रीन, डिस्प्ले हो सकता है क्रैक

ज्यादातर सभी लोग अपने स्मार्टफोन की डिस्प्ले पर प्रोटेक्शन की लेयर देने के लिए टेम्पर्ड ग्लास लगवाते हैं। कभी कभी फोन के गिरने पर ये टेम्पर्ड ग्लास भी डिस्प्ले को नहीं बचा पाते और वह टूट जाती है। ऐसे में कहा जा सकता है कि ये टेम्पर्ड ग्लास आपके फोन को सिर्फ स्क्रैच और हल्की-फुल्की चोट से बचा पाते हैं। ऐसा क्यों है कि इसके होते हुए भी आपके फोन की स्क्रीन टूट जाती है?100 रुपये में मिलने वाले स्क्रीन गार्ड डिस्प्ले को क्रैक होने से नहीं बचा पाते हैं। हालांकि, मार्केट में कुछ ऑप्शन ऐसे भी हैं, जो काफी महंगे होते हैं। ऐसे में जानना होगा कि किस तरह का टेंपर्ड ग्लास फोन के लिए सही रहता है।

स्मार्टफोन्स की स्क्रीन को प्रोटेक्शन की एक एक्स्ट्रा लेयर देने के लिए इस पर स्क्रीन गार्ड का इस्तेमाल किया जाता हैं। मार्केट में कई तरह के स्क्रीन गार्ड आते हैं। अगर आप किसी रोड-साइड वेंडर से इसे खरीदेंगे, तो आपको यह लगभग 50 से 100 रुपये में मिल जाता है। हालांकि, कई बार इसकी कीमत स्मार्टफोन मॉडल के हिसाब से अधिक होती है। ऑनलाइन मार्केट प्लेस पर आपको लगभग 100 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक की कीमत के स्क्रीन गार्ड भी मिल जायेंगे। सवाल यह है कि स्क्रीन गार्ड लगा होने के बाद भी डिस्प्ले क्यों टूट जाती है?

क्यों टूट जाती है स्क्रीन ?: अगर आप अपने फोन की स्क्रीन को सिर्फ स्क्रैच से बचाना चाहते हैं, तो यह काम सस्ते गार्ड आसानी से कर देंगे। लेकिन बात अगर टूटने से बचाने की करें, तो इसमें यह गार्ड फेल हो जाएगा। बल्कि कई बार यह स्क्रीन के टूटने की वजह भी बन जाता है। मोटे स्क्रीन गार्ड से स्क्रीन और कवर के बीच का गैप खत्म हो जाता है। इसलिए जब फोन गिरता है तो इसका असर डिस्प्ले पर पड़ता है, जो शायद स्क्रीन गार्ड न होता तो कम होता।

महंगे गार्ड में क्या खास होता है: दरअसल, मार्केट में मिलने वाले सस्ते टेम्पर्ड ग्लास या स्क्रीन प्रोटेक्टर फोन की स्क्रीन की सिर्फ स्क्रैच से ही बचा पाते हैं। ये गार्ड फोन के गिरने पर उसकी सुरक्षा नहीं कर पाते हैं। अगर गिरने के बाद स्मार्टफोन की स्क्रीन टूटती नहीं है, तो आप इसे किस्मत ही समझिए। वहीं जो गार्ड 1000-2000 रुपये की कीमत तक के होते हैं, वो आपकी स्क्रीन को अच्छे से प्रोटेक्ट कर सकते हैं। इनको तैयार करने में बेहतरीन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है। इनका डिजाइन भी ऐसा होता है कि फोन के गिरने पर स्क्रीन पर डायरेक्ट प्रेशर नहीं आता है। वहीं इनमें नॉर्मल से काफी अलग तरह का ग्लास इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि इनकी कीमत भी नॉर्मल से ज्यादा होती है।

निशाना

यह सियासत एक हंगामा बनी..!

कान्ति शुक्ला 'उर्मि'

हो रहा है स्वंय से ही द्वंद अब ।
हैं पुराने में नए पैबंद अब ।
यह सियासत एक हंगामा बनी,
लोग कितने हो गए स्वच्छंद अब ।
बाग में कैसी बहारें आ रहीं ,
फूल कोमल में नहीं मकरंद अब ।
आ रहे अवसाद में बालक सरल,
गैजटों ने बुद्धि कर दी मंद अब ।
खो गई कविता कहाँ किस राह पर,
भाव अभिनव लुप्त हैं वो छंद अब।
जा रहीं जानें किसानों की यहाँ ,
और सुनते गाँव में आनंद अब ।
जो कि जीते दूसरों के ही लिए ,
इस तरह के आदमी हैं चंद अब ।

महामाई दरबार में चल रहे विभिन्न सांस्कृति और धार्मिक आयोजन

नवरात्र में गूंजे मैया के जयकारे: राम आएंगे तो अंगना सजाउंगी... पर जमकर थिरके श्रोता

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

माता महामाई के दरवार में चल रहे विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन में रविवार रात्रि को विशाल भजन संध्या का आयोजन किया। इस भक्तिरस के कार्यक्रम में दिल्ली से आई कलाकार स्वस्ति मेहुल ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत गणेश जी के भजन से की। उन्होंने जैसे ही अपना सबसे प्रसिद्ध भजन राम आयेंगे तो अंगना सजाऊंगी, दीप जलाकर दिवाली में मनाऊंगी... सुनाया पूरा पंडाल राममय हो गया जिसमें विधायक जी के साथ ही श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया। इसके अलावा श्याम आन बसो वृंदावन में, रघुपति राघव राजा राम, अधरम मधुरम, जय जय हे महिषासुर मर्दनी,अरे

द्वारपालों के साथ ही शंकर जी और हनुमान जी के भजनो की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत में दीप प्रज्ज्वलित कर विधायक और समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा ने शाल श्री फल ,चुनरी ओर महामाई की तस्वीर भेंट कर स्वस्ति मेहुल और उनकी टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर नगर ओर ग्रामीण क्षेत्र के पुरुष ओर महिलाएं उपस्थित रहे।

शहर वाचनालय पाठक संघ ने मनाया विश्व जल दिवस

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विश्व जल दिवस के अवसर पर शहर वाचनालय पाठक संघ के तत्वाधान में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पाठक संघ के संयोजक दीपक तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व जल दिवस प्रतिवर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य मीठे पानी के महत्व पर ध्यान केंद्रित करना, लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है। जहां पानी होता है, वहीं जीवन संभव होता है। पूरे ब्रह्मांड में पृथ्वी ही एकमात्र ऐसा ग्रह है जहां जल उपलब्ध है, इसलिए हमें इसका सम्मान करना चाहिए और पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकनी चाहिए। जल का उपयोग मनुष्य, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों तथा उद्योगों सहित सभी के जीवन में अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों को जल की उपयोगिता समझाते हुए जल संरक्षण और पानी की बचत का संकल्प भी दिलाया गया। अंत में वाचनालय प्रभारी सतीश शिल्पकार ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल हमारे जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है।

न्यूज विंडो

चौरिया कुर्मी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए 13 सेक्टर बने

नर्मदापुरम //इटारसी। चौरिया कुर्मी समाज संगठन ने अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर रविवार को कामकाजी बैठक आयोजित की। बैठक में संगठन पदाधिकारियों और सामाजिकजनों ने सम्मेलन के प्रचार-प्रसार, आमंत्रण और व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की।बैठक में संपूर्ण जिला और प्रदेश को 13 सेक्टरों में विभाजित करने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक सेक्टर में प्रभारी, सह-प्रभारी सहित 7-7 सदस्यों की टीम गठित की गई है, जो घर-घर जाकर निमंत्रण वितरित करेंगे। इसके अलावा, विवाह सम्मेलन की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियों का गठन भी किया गया।संगठन अध्यक्ष शंभू दयाल पटेल और आयोजन ग्राम घुगवासा के सरपंच नवल पटेल ने बताया कि 20 अप्रैल को नर्मदा परिक्रमा मार्ग पर होने वाले इस सम्मेलन के लिए जिले के शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों में भी सदस्य पहुंचेंगे। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ।बैठक में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशल पटेल, पूर्व जनपद अध्यक्ष भगवती चौरे, बहादुर चौधरी, किशन दास चोरे, श्रवण चौधरी, रामकिशोर चौरे, अरुण पटेल,पुरुषोत्तम झलिया, हरीकिशोर पटेल, युवा अध्यक्ष सोनू रंजीत पटेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गणगौर को सिर पर रख निकली महिलाएं छतरी हनुमान मंदिर पर किया जमकर नृत्य

सिरोंज। रविवार को क्षेत्र में गणगौरों की शोभायात्रा का उल्लास दिखाई दिया। कठाली बाजार के रहवासी धूमधाम के साथ गणगौरों को छतरी चौराहा स्थित हनुमान मंदिर पर ले गए। शनिवार को गणगौर पर्व के अवसर पर मंदिरों और घरों पर शिव-गौरी की पूजा का आयोजन किया गया था। इसके बाद शहर में पर्व के दूसरे दिन गणगौरों की शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। कठाली बाजार के रहवासियों द्वारा यह शोभायात्रा निकाली जाती है। रहवासियों द्वारा व्यापक स्तर पर शोभायात्रा की तैयारियां की गई थी। रविवार शाम को कठाली बाजार स्थित शीतला माता मंदिर में गणगौर प्रतिमाओं की सामूहिक पूजा-अर्चना की गई। इस पूजा में आसपास के इलाकों की महिलाएं 16 श्रृंगार में सजकर पहुंची। पूजा का क्रम शाम तक चलता रहा। कठाली बाजार से ही गणगौरों की शोभायात्रा का शुभारंभ भी हुआ। जिसकी अगवानी बेंडबाजों से निकल रहे भजनों से की जा रही थी। इसके उपरांत मोहल्ले की ही महिलाएं बारी बारी से गणगौर प्रतिमाओं की सिर पर स्थापित कर चल रही थी। महिलाओं के आगे युवाओं की टोली नृत्य कर रही थी।

तरुण की नर्मदा परिक्रमा: आस्था, संकल्प और क्षेत्रीय विकास का संगम

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के लिए यह गर्व और प्रेरणा का विषय है कि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी तरुण शर्मा द्वारा की गई नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के लिए समर्पित एक संकल्प यात्रा के रूप में सामने आई है। नर्मदा नदी की परिक्रमा भारतीय संस्कृति और आस्था का एक महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती है। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक शुद्धि का माध्यम है, बल्कि आत्मचिंतन, समाज सेवा और लोकमंगल की भावना को भी मजबूत करती है। तरुण शर्मा ने इस कठिन और लंबी परिक्रमा को पूर्ण कर यह संदेश दिया है कि जनप्रतिनिधि केवल राजनीति तक सीमित न रहें, बल्कि समाज और संस्कृति से भी गहराई से जुड़े रहें। बताया जाता है कि इस परिक्रमा के दौरान उन्होंने अनूपपुर जिले की खुशहाली, विकास और क्षेत्रवासियों के कल्याण की कामना की। यह पहल दर्शाती है कि उनके मन में अपने क्षेत्र के प्रति गहरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव है। आज जब राजनीति अक्सर आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित हो जाती है, ऐसे समय में इस प्रकार की आध्यात्मिक और जनहितकारी पहल एक सकारात्मक संदेश देती है। यह न केवल समाज को जोड़ने का कार्य करती है, बल्कि जनप्रतिनिधियों के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत करती है।

नर्मदा तट पर भक्ति और संकल्प का संगम

मत्स्य जयंती पर गूंजा 'नर्मदे हर' 1 हजार महाशीर मछलियां छोड़ीं

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भगवान मत्स्य की जयंती के अवसर पर नर्मदापुरम के सेठानी घाट पर आस्था, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। मीणा समाज शक्ति संगठन द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में मां नर्मदा की महाआरती के साथ-साथ नदी को प्रदूषण-मुक्त रखने का संकल्प भी लोगों ने लिया।कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छ घाट, स्वच्छ नर्मदा के संकल्प के साथ हुई। संगठन के पदाधिकारी, सेवादार और स्थानीय नागरिकों ने घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया, जिसमें तट पर फैली गंदगी को साफ किया गया। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा को प्रदूषण-मुक्त रखने की शपथ लेकर हर दिन घाट-सफाई में हिस्सा लेने की प्रतिबद्धता जाहिर की।कार्यक्रम में नर्मदा तट की स्वच्छता और सेवा के क्षेत्र में निरंतर योगदान देने वाले कर्मयोगियों को सम्मानित किया गया। मां नर्मदा गौरव रेवा रत्न अवॉर्ड से जय हो समिति के अर्पित मालवीय, कायस्थ समाज के अभय वर्मा, ग्वाल सेना के नरेंद्र यादव, जहानपुर घाट समिति के ब्रजमोहन मीणा, हांसलपुर के राजेंद्र मीना, रामदास मीना, कलाकार नवदीप मीना, केशव मीना, पुषपा मीना तथा पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में काम करने वाले सुशील खत्री को सम्मानित किया गया।इसके अलावा, नर्मदा महाआरती करने वाले समूह के पं. धनश्याम शर्मा और प्रशांत दुबे को भी प्रतीक-चिह्न व प्रमाण-पत्र दिए गए। नर्मदा सखी अवॉर्ड से गीता मीणा को नर्मदा तट की स्वच्छता और दैनिक सेवा के लिए सम्मानित किया गया। वहीं जैविक उत्पाद के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर अखिलेश खंडेलवाल को विशेष रूप से सम्मान मिला। वही शाम के समय घाट दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। मंत्रोच्चार और भजनों के बीच मां नर्मदा की महाआरती की गई, जिसके दौरान पूरा वातावरण नर्मदे हर के जयकारों से गूंज उठा। नवोदित कलाकार नवनीत मीना ने भक्ति गीतों से श्रद्धालुओं के मन को छुआ, जबकि 10 वर्षीय अभीनीत ने हनुमान चालीस का पाठ सुनाकर भावनाओं को और भी गहरा कर दिया। कार्यक्रम का एक खास आकर्षण नर्मदा संरक्षण का प्रतीकात्मक प्रयास रहा। इस अवसर पर लगभग 1000 महाशीर मछलियों को नदी में छोड़ा गया, जिसे जैव-विविधता संरक्षण और नदी के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।इस अवसर पर संगठन के महामंत्री अर्जुन मीणा, जिला अध्यक्ष माखन मीणा, कला मीणा, लता मीणा, राजकुमारी मीणा, नीलेश मीणा, गायत्री मीणा, आशा मीना, सरोज मीणा, अंशिता मीना आदि समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान मत्स्य की जयंती के माध्यम से समाज को अपनी सांस्कृतिक मूलधार से जोड़ना और जीवनदायिनी नर्मदा के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है।

श्री रामनवमी शोभायात्रा के लिए मातृशक्ति घर-घर जाकर देगी आमंत्रण

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्रीरामनवमी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले भव्य चल समारोह शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर रविवार को रघुवंशी धर्मशाला में रघुवंशी समाज की मातृशक्ति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में माताएं-बहनें उत्साहपूर्वक उपस्थित रहीं और शोभायात्रा को भव्य एवं अनुशासित बनाने हेतु अपने सुझाव साझा किए। बैठक में निर्णय लिया गया कि अधिक से अधिक मातृशक्ति शोभायात्रा में सहभागिता सुनिश्चित करें। सभी बहनों से आग्रह किया गया कि वे पीले अथवा नारंगी वस्त्र धारण कर कार्यक्रम में शामिल हों, जिससे आयोजन की एकरूपता और भव्यता बढ़े। साथ ही बच्चों को पारंपरिक वेशभूषा में लाने का भी आह्वान किया गया, ताकि सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिले। महिला संघ द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सोमवार से घर-घर जाकर माताओं एवं बहनों को आमंत्रित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक समाजजन इस धार्मिक आयोजन में सहभागिता कर सकें। इस अवसर पर विधायक हरि सिंह रघुवंशी एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी ने सभी बहनों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर शोभायात्रा को सफल बनाने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति की भागीदारी से ही ऐसे आयोजन सशक्त और प्रेरणादायी बनते हैं।

बैठक के दौरान सामाजिक कुरीतियों पर भी गंभीर चर्चा हुई। विधायक रघुवंशी ने कहा कि शादी-विवाह जैसे आयोजनों में महिला संगीत एवं अन्य कार्यक्रम मर्यादित और संस्कारित होने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अशोभनीय एवं दिखावटी आयोजनों से समाज में गलत संदेश जाता है, जो धीरे-धीरे कुप्रथा का रूप ले लेते हैं। ऐसे आयोजनों पर रोक लगाने के लिए महिलाओं को स्वयं आगे आना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को दिखावे से ऊपर उठकर अपने वास्तविक उत्थान की दिशा में कार्य करना चाहिए।

हाईवे पर ट्रक-हार्वेस्टर की भिड़ंत दो घायल, घंटों लगा रहा जाम

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

इटारसी-नागपुर हाईवे पर आज सुबह करीब सात बजे बागदेव पुलिया के पास ट्रक और हार्वेस्टर की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही केसला पुलिस और एफआरवी-13 टीम मौके पर पहुंची। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया, जो करीब ढाई घंटे से अधिक समय तक रहा। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि ट्रक की ड्राइवर कैबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।केसला थाना प्रभारी यादव ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और ट्रैफिक क्लियर करने में जुट गए। खबर लिखे जाने तक जाम धीरे-धीरे कम हो रहा था तथा वाहनों की आवाजाही सामान्य होने लगी थी। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

लागोरी प्रतियोगिता: विदिशा टीम ने डबल जीत दर्ज की

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश लागोरी संघ द्वारा जरारिया गार्डन, बनखेड़ी में बालक-बालिका वर्ग की प्रथम राज्य स्तरीय जूनियर एवं सब-जूनियर लागोरी प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। प्रदेश के आठ जिलों से 32 टीमों ने इसमें भाग लिया।बालिका वर्ग का फाइनल रायसेन और विदिशा के बीच खेला गया, जिसमें विदिशा ने शानदार प्रदर्शन कर खिताब जीता। वहीं बालक वर्ग के फाइनल में विदिशा ने नर्मदापुरम को हराकर डबल क्राउन हासिल किया। होशंगाबाद-नर्मसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी वर्चुअल रूप से जुड़कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा, ÷लागोरी केवल खेल नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा, टीम भावना, त्वरित निर्णय क्षमता और शारीरिक स्फूर्ति का प्रतीक है। डिजिटल युग में यह पारंपरिक खेल बच्चों को मैदान से जोड़ता है और स्वस्थ जीवनशैली सिखाता है। सांसद ने बच्चों को संबोधित कर कहा कि खेल अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व और टीमवर्क सिखाते हैं। जीत आत्मविश्वास बढ़ाती है, हार बेहतर बनने की प्रेरणा देती है। उन्होंने आयोजन समिति को सफलता के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान के नीतिराज सिंह पटेल, जिला कबड्डी अकादमी इटारसी के संजीव (सोनू) चौधरी, एमपी लागोरी संघ के प्रदेश अध्यक्ष आशीष मालवीय, सचिव आकाश वंशकार, जिला प्रमुख रामेश्वर झलारिया सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर — श्री नौलखी तपोवन आश्रम में चल रही कथा का श्रवण करने उमड़े श्रद्धालु

भक्तमाल केवल कथा नहीं भगवान से मिलन का मार्ग है: शास्त्री

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

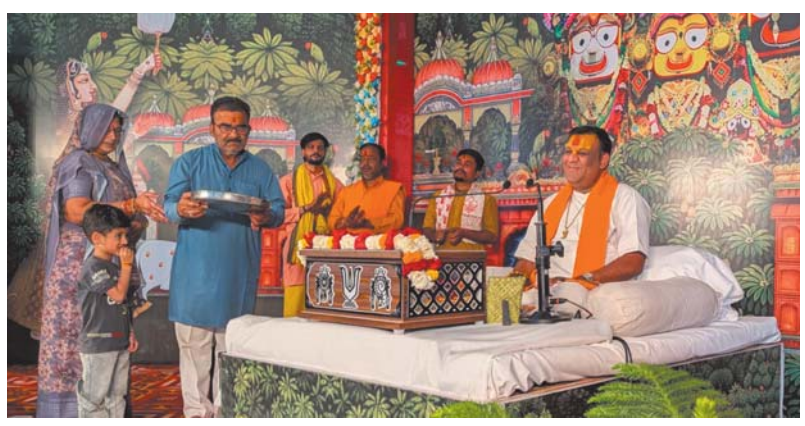

भक्तमाल वह दिव्य ग्रंथ है, जो जीव को उसके वास्तविक स्वरूप का बोध कराता है और उसे भगवान के चरणों तक पहुंचने का मार्ग दिखाता है। यह केवल कथा नहीं, बल्कि आत्मा को प्रभु से जोड़ने का सेतु है। भक्तमाल केवल कथा नहीं, यह तो भगवान से मिलन का साक्षात मार्ग है। जो इसे श्रद्धा से सुनता है, उसके जीवन में भक्ति स्वयं जागृत हो जाती है। जब भगवान किसी जीव पर प्रसन्न होते हैं, तभी उसे सत्संग और संतों के चरणों में बैठने का अवसर मिलता है।

वेत्रवती तट स्थित श्री नौलखी तपोवन आश्रम में भगवान जगन्नाथ जी एवं प्रभु सीताराम जी के द्वितीय पाटोत्सव के मौके पर आयोजित हो रही श्री भक्तमाल कथा के द्वितीय दिवस पर वृंदावन से पधारे भागवताचार्य ज्योतिषाचार्य डॉ. अभिषेक कृष्ण शास्त्री जी ने अपने श्रीमुख से अमृतमयी वाणी प्रवाहित कर भक्तमाल की महिमा का वर्णन करते हुए व्यक्त किए। कथा के दूसरे दिवस के यजमान विजय सिंह रघुवंशी भिदवासन ने सपत्नी व्यास पूजन कर कथा की आरती की। कथा के पहले सुबह के सत्र में शिवलिंग निर्माण और शिवाभिषेक में यजमान राजकुमार गौंड अरनोट, योगेश शर्मा, शिक्षक महेंद्र सिंह रघुवंशी, एवं भानु सिंह ठाकुर विशनपुर ने सपत्नी पूजन में भाग लिया। रविवार को श्रद्धालुओं द्वारा 61 हजार पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण हुआ। उल्लेखनीय नगर की पावन भूमि पर इन दिनों तीन स्थानों पर आयोजित हो रही धार्मिक कथाओं ने भक्ति के अद्भुत रंग में रंग दी है, मानो स्वयं प्रभु की कृपा इस धरा पर बरस रही हो। नौलखी के श्री महंत राम मनोहर दास जी के सानिध्य में नगर में पहली बार वेत्रवती तट स्थित श्री नौलखी तपोवन आश्रम में आयोजित हो रही श्री भक्तमाल कथा के द्वितीय दिवस पर श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि हर ओर केवल भक्ति, प्रेम और समर्पण का ही वातावरण दिखाई दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे हर हृदय किसी अनजानी पुकार से खिंचकर प्रभु के चरणों तक पहुंच रहा हो। भक्तमाल कथा ने नगर के वातावरण को भक्ति और श्रद्धा से सराबोर कर दिया है। डॉ शास्त्री ने कहा कि जीव अपने बल से भगवान को नहीं पा सकता, जब प्रभु की कृपा होती है तभी वह संतों के चरणों तक पहुंचता है। कथा के दौरान डॉ शास्त्री जी की वाणी में ऐसा माधुर्य था कि श्रोता केवल सुन नहीं रहे थे, बल्कि हर शब्द को अपने हृदय में उतार रहे थे। उन्होंने समझाया कि भक्तमाल केवल कथा नहीं, यह तो भक्त और भगवान के बीच का प्रेम-संबंध है, जो जीव को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराता है और यह केवल कथा नहीं, बल्कि भगवान से मिलन का साक्षात मार्ग है। उन्होंने पूर्व प्रसंगों का स्मरण कराते हुए बताया कि जीव अपने पुरुषार्थ से भगवान को प्राप्त नहीं कर सकता, यह केवल प्रभु की असीम कृपा और संतों के सान्निध्य से ही संभव है। जब भगवान किसी जीव पर प्रसन्न होते हैं, तभी उसे सत्संग और संतों के चरणों में बैठने का सौभाग्य प्राप्त होता है। कथा के दौरान उन्होंने जगन्नाथ पुरी के परम भक्त संत माधव दास जी के चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया और बताया कि उनका जीवन पूर्ण समर्पण, सेवा और निष्काम भक्ति का जीवंत उदाहरण था।

निजी स्कूल का मामला : शिक्षिका पर मारपीट का आरोप, स्कूल प्रबंधन ने शिक्षिका को स्कूल से निकाला

मारपीट से विद्यार्थी कोमा में, बचपन से रहती थी तबीयत खराब

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र से एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है, जिसमें शिक्षिका पर स्कूल प्रबंधन के ऊपर आरोप है कि कक्षा 3 में अध्ययनरत 9 वर्षीय छात्र काव्य नामदेव के साथ 19 फरवरी को एक निजी विद्यालय में कथित रूप से मारपीट की गई।

आरोप है कि मामूली शैक्षणिक त्रुटि पर शिक्षिका द्वारा बच्चे को कठोर दंड दिया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। परिजनों के अनुसार घटना के बाद बच्चे को तेज बुखार, उल्टियां और झटके आने लगे। प्रारंभिक उपचार के बाद उसे जबलपुर रेफर किया गया और हालत गंभीर होने पर भोपाल के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह वर्तमान में वेंटिलेटर पर उपचाराधीन है। इस घटना को लेकर परिवार द्वारा प्रशासनिक कार्रवाई पर भी सवाल उठ रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि लिखित शिकायत देने के बावजूद अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि संबंधित पक्षों द्वारा उन पर दबाव बनाया जा रहा है। परिजनों ने दोषी शिक्षकों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई और तत्काल स्थानांतरण दर्ज करने की मांग की है।

स्कूल प्रबंधन का कहना है कि इस संबंध में स्कूल प्रबंधक विक्रम सिंह राजपूत ने बताया कि 19 फरवरी को विद्यालय की शिक्षिका के द्वारा छात्र काव्य नामदेव को पनिशमेंट देने का मामला संज्ञान में आया है। परिजनों को बुलाकर मामले को पूर्ण रूप से समझा शिक्षिका देवेंद्री ठाकुर को लिखित स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है। परिजनों के द्वारा भी सहमति बनी की छात्र को बिना किसी द्वेष भावना के पूर्व की भांति अध्ययन कार्य जारी रखा जाये 27 फरवरी छात्र के बीमार होने की सूचना मिली। तभी से प्रबंधन जबलपुर अपोलो हॉस्पिटल में लगातार परिजन के साथ बना रहा एवं समय-समय पर हॉस्पिटल मिलने जाता रहा। स्वास्थ्य में सुधार न होने की स्थिति में परिजनों के आग्रह पर 10 मार्च को एम्स हॉस्पिटल भोपाल में भर्ती कराकर वेंटिलेटर की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, तब से लेकर वर्तमान समय तक मैं परिजनों के साथ सतत संपर्क में भी हूं और भोपाल भी मिलने गया, क्योंकि छात्र हमारे विद्यालय का है मानवीय आधार हम छात्रा के परिजनों के साथ बराबर खड़े हुए हैं। इस संबंध में थाना प्रभारी रविंद्र बागरी ने बताया कि मामले की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है एक टीम को बयान लेने के लिए भोपाल भी भेजा गया है जाँच बाद ही कुछ बता पाएंगे।

न्यूज विंडो

शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में शिक्षक संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार महेश कुमार बट्टी को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार से सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से टीईटी परीक्षा को लेकर मध्य प्रदेश सरकार से रिव्यू पिटीशन दायर कर शिक्षकों के पक्ष में खड़े होने की मांग की गई। इसके अतिरिक्त, राज्य शिक्षा सेवा संवर्ग के लोक सेवकों को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता प्रदान करने की मांग भी शामिल थी।

काले हिरण के शिकार मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

सिरोंज। दीपनाखेड़ा थाने में काले हिरण के शिकार के मामले में वन विभाग ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपी अभी भी वन विभाग की गिरफ्त से बाहर है। 23 फरवरी की सुबह दीपनखेड़ा थाने के ग्राम दीकनाखेड़ा और गोपाल नगर के बीच स्थित खेत में काले हिरण का कटा हुआ फिर और अन्य अवशेष मिले थे। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अवशेष जप्त कर घटना को अंजाम देने वालों की तलाश शुरू की थी। मामला शिकार का ही लग रहा था और वन विभाग की टीम इसी को ध्यान में रखते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी थी। लगातार जांच के बाद मामले में विभाग को कुछ सफलता मिल गई है। वन विभाग ने घटना को अंजाम देने वाले 2 आरोपियों की गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनमें ग्राम चथोली निवासी मुस्तकीन शाह के साथ ही मूडरा बागल में रहने वाला अलीम शाह शामिल है।

मंडला जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

मंडला। जिला कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शहर में हड़कंप मच गया। यह धमकी कोर्ट की ऑफिशियल मेल आईडी पर एक अनजान ईमेल के जरिए भेजी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ता तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरे परिसर को घेरकर तलाशी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, धमकी भरा यह ईमेल दक्षिण भारतीय भाषा में लिखा गया है। पुलिस की विशेष टीमें और बम निरोधक दस्ता कोर्ट के चप्पे-चप्पे की बारीकी से जांच कर रहे हैं। एहतियात के तौर पर कोर्ट परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और वहां आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

जिम्मेदारों की अनेदखी: नियमों का उल्लंघन कर दे रहे हादसों को न्यौता

सवारी ऑटो और लोडिंग वाहन में क्षमता से अधिक भरते हैं सवारियां

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तीन पहिया ऑटो रिक्शा में नियमानुसार सवारियां बैठाने की क्षमता तीन सवारी की है, लेकिन ये ऑटो रिक्शा ग्रामीण क्षेत्र में आधा दर्जन से ज्यादा सवारियां बैठाकर गांवों में सरपट दौड़ लगा रहे हैं। यह ऑटो जंगल व पहाड़ी गांवों में अपना खतरनाक सफर जारी रखे हुए हैं। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में क्षमता से अधिक सवारी बैठाए ऑटो आवाजाही करते हुए कभी भी दिखाई दे जाते हैं। कई ऑटो तो ऐसे हैं जिनकी नंबर प्लेट ही गायब है। तेंदूखेड़ा नगर सहित जबलपुर पाटन मार्ग, तारादेही मार्ग, दमोह मार्ग, खकरिया मार्ग, जामुनखेड़ा मार्ग सहित कई गांवों में क्षमता से अधिक सवारियां ठूंस-ठूंस कर बैठाए हुए ऑटो तेज गति से आते जाते हुए दिखाई दे जाते हैं। तेंदूखेड़ा ब्लॉक में एक दो नहीं बल्कि दर्जनों ऑटों रिक्शा ऐसे दिखे जिनमें बड़ी संख्या में सवारियां बैठी थी। गौर करने वाली बात ये है कि ऑटो पुलिस की नजरों के सामने से भी गुजरते हुए नजर आए हैं किसी ने रोकना टोकना जरूरी भी नहीं समझा। तेंदूखेड़ा ब्लॉक में ऑटो ही नहीं बल्कि मालवाहक वाहन, कृषि वाहन सहित अन्य व्यवसायिक उपयोग में आने वाले वाहनों के चालकों द्वारा भी यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। आरटीओ से व्यवसायिक उपयोग के लिए परमिट लेकर मालवाहक वाहन, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से भी सवारियां ढोने का काम किया जा रहा है। ये नजारे नगर में हर दिन देखने को मिल जाएंगे। पूर्व में कई हादसे भी हो चुके हैं, पर जिम्मेदारों की कार्रवाई सिर्फ दिखावा साबित हुई।

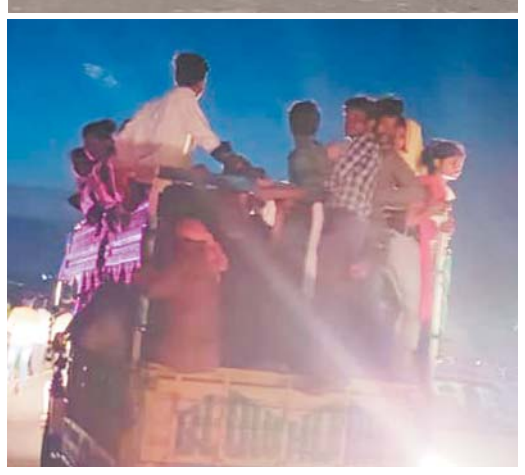

ट्रॉली-पिकअप में भरी बोरियों पर बैठकर करते हैं सफर

नगर मुख्यालय में सामाग्री व अनाज के परिवहन के दौरान भी लोग खतरों से खेलते हुए नजर आते है। लोग, कभी ट्रॉली व पिकअप में भरी बोरियों के ऊपर बैठकर सफर करते दिखते हैं तो कभी ढाला पर लटककर यात्रा करते हुए दिखाई देते हैं। इन परिस्थितियों में संभावित हादसों को रोकने के लिए प्रशासन, पुलिस व परिवहन विभाग द्वारा अब तक कोई कदम नहीं उठाए गए है ब्लॉक में तो ऐसे नजारे रोज देख सकते हैं। गौर करने वाली बात ये हैं कि पुलिस द्वारा नियमित वाहनों की चेकिंग अभियान भी नहीं चलाया जाता है। हां इतना जरूर है कि वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का पालन करने के लिए कभी-कभार कार्रवाई कर ली जाती है।

नशा कर वाहन चलाने वालों की जांच के लिए नहीं है ब्रीथ एनालाइजर

नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे ओवरलोडिंग वाहनों की पुलिस द्वारा भी जांच नहीं की जाती है। कहीं चालक नशे की हालत में है या नहीं उसे छोटे वाहन से लेकर बड़े वाहन चलाने का अनुभव नहीं, योग्यता है कि नहीं, कुछ भी नहीं देखा जाता है। ब्रीथ एनालाइजर मशीन का भी कहीं पर उपयोग नहीं किया जाता है। शराब गांजा के नशे में वाहन चालक अंधाधुंध भाग रहे हैं, लेकिन जांच व कार्रवाई कहीं पर होती नहीं दिख रही है, सिर्फ खानापूर्ति के नाम पर चेकिंग अभियान के तहत बाइक सवारों के बिना हेलमेट चैकिंग कर चालान काटे जा रहे हैं और बड़े वाहनों पर कोई नजर नहीं है। जबकि बड़े-बड़े वाहनों के चालक मार्ग से गुजर रहे राहगीर, बाइक सवार, ऑटो आदि को रौदकर निकल जाते हैं। गौर करने वाली बात ये है कि जिम्मेदार इन्हें रोकने कोई ठोस पहल नहीं कर रहे हैं। पुलिस नगर प्रशासन बेपरवाह बना हुआ है।

शहीद दिवस: आज निकलेगी क्रांति मशाल यात्रा

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस 23 मार्च को शाम के समय शहीद क्रांति मशाला यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का पिछले 24 वर्षों से निरंतर जारी हैं, सोमवार को शहीद क्रांति मशाल यात्रा इस वर्ष अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। यात्रा की तैयारियों को लेकर धार विधानसभा के सभी क्षेत्रों में अलग-अलग बैठके भी ली जा रही है। यात्रा के बारे में पूरी जानकारी देने के लिए पत्र परिषद का आयोजन शहर की निजी होटल में किया गया। शाम के समय यात्रा बस स्टैंड से शुरु होगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करते हुए टीवीएस चौराहा स्थित शहीद चौक पर समाप्त होगी। नगर के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण के दौरान कई मंचों से यात्रा का स्वागत होगा। यात्रा में हजारों की संख्या में युवा हाथों में जलती हुई मशाल लेकर निकलेंगे। साथ ही सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्री अनिल वर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल होंगे।

इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में संयोजक राजीव यादव ने बताया कि यह आयोजन किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे शहर के आम नागरिकों का है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर लोग अपने जीवन में विवाह, परिवार और बच्चों के भविष्य की योजना बनाते हैं, लेकिन देश के अमर शहीदों ने अपनी पूरी जिंदगी राष्ट्र की आजादी के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया था। उन्हीं के बलिदान के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए यह मशाल यात्रा निकाली जाती है, ताकि समाज में राष्ट्रप्रेम और शहादत के प्रति चेतना जागृत हो। यादव ने जानकारी दी कि इस आयोजन की शुरुआत वर्षों पहले बैलगाड़ी यात्रा के रूप में हुई थी, जो आज 25 वर्षों में विकसित होकर एक भव्य मशाल रैली बन चुकी है। इस बार शहर को 200 मोहल्लों में विभाजित कर बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 900 कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई है। आयोजन समिति ने यह भी बताया कि प्रयास किया जा रहा है कि शहीद चौराहे पर स्थायी रूप से एक बोर्ड लगाया जाए, जिससे आम बोलचाल में भी इस स्थान की पहचान सशक्त रूप से स्थापित हो सके। इस आयोजन का मूल उद्देश्य समाज में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और उन शहीदों तथा उनके परिजनों के प्रति सम्मान व्यक्त करना है, जिनके बलिदान के कारण आज देश स्वतंत्र है। यात्रा में विशाल नय्यरजी (शहीद सुखदेव जी के वंशज), प्रशांत राजगुरुजी (शहीद राजगुरुजी के वंशज) व अशफ़ाक उल्ला खान (शहीद अशफ़ाकजी उल्ला खान के वंशज) शामिल होंगे।

रेत कारोबारियों पर कार्रवाई करने पहुंची थी टीम

बेखौफ रेत माफिया, पुलिस जीप को मारी टक्कर, सिपाही घायल

मुरैना। दोपहर मेट्रो

रेत माफिया बेखौफ होते जा रहे हैं, रविवार को मुरैना जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र में रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने पुलिस वाहन में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर में एक प्रधान आरक्षक घायल हुआ है जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर में पुलिस वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है जिसे टोचन करके थाने लाना पड़ा। पुलिस जीप को टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन को तेज गति से लेकर फरार हो गया था जिसे पुलिस ने कुछ ही दूरी पर पीछा कर गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह 10 बजे चक्रपान का पुरा बरेथा में दिमनी पुलिस रेत कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी। प्वाइंट लगाकर पुलिस चेकिंग कर रही थी तभी रेत से भरा ट्रैक्टर-ट्रॉली आई जिसे पुलिस ने रोकने की कोशिश की, लेकिन ट्रैक्टर चालक ने रोकने की जगह तेज रफ्तार में ट्रैक्टर-ट्रॉली से सीधे पुलिस जीप में टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रैक्टर चालक रेत से भरे वाहन को लेकर वहां से भागने लगा। पुलिस ने पीछा करके करीब 50 मीटर की दूरी पर चालक संतोष (25) पुत्र शिवनारायण परमार निवासी फतेह सिंह का पुरा मृगपुरा को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया। खबर है कि पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी तब ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा जा सका लेकिन फायरिंग की पुलिस पुष्टि नहीं कर रही है। इस माफिया के हमले में प्रधान आरक्षक सुदामा रजक के सिर में चोट आई है और उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। दिमनी पुलिस ने चालक संतोष परमार के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, खनिज चोरी, खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। एमएलसी रिपोर्ट आने पर धाराओं में इजाफा किया जाएगा। थाना प्रभारी दिमनी जितेन्द्र दौहरे ने बताया कि बरेथा गांव में दिमनी पुलिस चेकिंग कर रही थी तभी वहां से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली निकल रही थी। उसको रोका तो उसने पुलिस वाहन में टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और प्रधान आरक्षक घायल हो गया। पीछे करके आरोपी चालक को ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित हिरासत में ले लिया है। चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मेट्रो एंकर

मोबाइल से वनकर्मियों के वीडियो बनाए, अतिक्रमणकारियों ने किया विरोध

आमाखुजरी बीट में टपरी बनाकर कब्जा, खेती के लिए तैयार की जमीन

खंडवा। दोपहर मेट्रो

आमाखुजरी बीट में फिर से अतिक्रमण होने लगा है। यहां पिछले साल वन विभाग ने अतिक्रमण कारियों को हटाकर गड्ढे खोद दिए थे। लेकिन अब अचानक अतिक्रमण की बाढ़ सी आ गई है। अतिक्रमण करने वाले आसपास के जिलों के बताए जा रहे हैं, जो पूर्व में जेसीबी से खोदे गए गड्ढों को वापस मिट्टी डालकर बंद कर रहे हैं। उन्होंने कुछ जगह ट्रैक्टर व हल चलाकर जमीन को खेती के लिए तैयार भी कर दिया है। सैकड़ों हेक्टेयर जमीन पर फिर से अपना कब्जा जमा लिया है। यह करीब 50 लोग हैं जो लगाकर इस क्षेत्र में सक्रिय हैं, जिन्होंने बारिश के पानी में उग आए पौधों को भी उखाड़कर फेंक दिया।

21 मार्च को सुबह वनकर्मियों को एक भी टप्पर नहीं मिला था, लेकिन दूसरे दिन रविवार दोपहर में जब वनकर्मी आमाखुजरी पहुंचे तो यहां टप्पर भी बने हुए मिले और लोग भी रह रहे थे। एक ही रात में दस से अधिक टपर बना लिए थे। वहीं रात से लेकर दोपहर में खेती के लिए जमीन भी तैयार कर कब्जा करने में जुटे हुए थे। अतिक्रमण की जानकारी मिलने पर गुड़ी रेंज कार्यालय से वनकर्मी आमाखुजरी पहुंचे। यहां उन्हें देखते हुए अतिक्रमण कारियों ने महिलाओं को आगे कर दिया। उनके पीछे युवक पुरुष खड़े हो गए, जो उन्हें देखकर नारेबाजी करते रहे। इस दौरान कुछ युवकों वनकर्मियों का अपने मोबाइल से वीडियो भी बनाया। वनकर्मियों द्वारा नाम पूछने पर कोई भी अपना नाम नहीं बात रहा था। रेंजर नरेंद्र पटेल ने बताया कि मौके से दो हल जब्त किए हैं।

अतिक्रमण कराने में पुराने आरोपी शामिल

आमाखुजरी में कब्जा कराने में लाखासिंह का हाथ होने की जानकारी सामने आई है। लाखासिंह पर पहले से पिपलौद थाने में करीब पांच केस दर्ज है। सूत्रों के अनुसार लाखा ही रुपए लेकर आसपास के जिलों के लोगों को यहां बसाने में लगा हुआ है। इस क्षेत्र में लाखा व उसके बेटों को दबदबा था, लेकिन पिछले साल हुई सख्त कार्रवाई के बाद सभी इस क्षेत्र से खदेड़ दिया था। यहां फिर से अतिक्रमण करवाया जा रहा है।

अबरार पर सुनील गावस्कर के बयान से छिड़ी बहस..

पाकिस्तानी खिलाड़ी को लेकर बंटा क्रिकेट जगत, आईसीसी पर उठने लगे बड़े सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बयान ने क्रिकेट जगत में नई बहस को जन्म दे दिया है। पूर्व भारतीय कप्तान ने सन ग्रुप के स्वामित्व वाली सनराइजर्स लीड्स से पाकिस्तानी लेग-स्पिनर अबरार अहमदद को बाहर करने की मांग की थी। गावस्कर ने मिड डे में अपने कॉलम में लिखा था कि अगर भारतीय मालिक की टीम पाकिस्तानी खिलाड़ी को पैसे देती है, तो वो पैसा अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान सरकार को टैक्स के रूप में मदद पहुंचाता है, जिसका इस्तेमाल हथियार खरीदने में हो सकता है। गावस्कर का साफ मानना था कि इन हथियारों का इस्तेमाल भारतीय नागरिकों का खून बहाने के लिए किया जा सकता है।

अबरार अहमद को सनराइजर्स लीड्स ने इंग्लैंड की फ्रेंचाइजी लीग द हेंड्रेड के प्लेयर्स ऑक्शन के दौरान 1।90 लाख पाउंड (लगभग 2।34 करोड़ रुपये) में साइन किया था। एक भारतीय बिजनेस ग्रुप द्वारा यह डील किए जाने के चलते मामला सुर्खियों में आया। ऑक्शन के दौरान सनराइजर्स फ्रेंचाइजी की सीईओ काव्या मारन भी मौजूद थीं, जो इस डील के बाद आलोचकों के निशाने पर आ गईं। भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों के बीच अबरार को खरीदने का फैसला फैन्स को भी रास नहीं आया।

गावस्कर ने विवाद बढ़ने पर दी सफाई

विवाद बढ़ने के बाद सुनील गावस्कर ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वह कमेंट्री के जरिए किसी देश को सीधे भुगतान नहीं करते। आईसीसी और ष्टष्ट (एशियन क्रिकेट काउंसिल) ही राजस्व का वितरण करते है। उन्हें इस तरह से जोड़ना पूरी तरह गलत और उलझा हुआ तर्क है। जब उनसे कैरेबियन प्रीमियर लीग, इंटरनेशनल लीग टी20 (ILT20) और स्20 जैसी लीग्स में पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि अगर भारतीय मालिक पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भुगतान कर रहे हैं, तो उन्हें यह बंद करना चाहिए। सुनील गावस्कर के बयान ने एक बार फिर यह बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या खेल को राजनीति से पूरी तरह अलग रखा जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस तरह की सोच को व्यापक रूप से लागू किया गया, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खिलाड़ियों की भागीदारी और लीग्स की संरचना पर गहरा असर पड़ सकता है। सुनील गावस्कर का बयान अब सिर्फ एक राय नहीं रहा, यह एक बड़ी बहस का केंद्र बन चुका है। क्या आर्थिक तर्क के आधार पर खिलाड़ियों को बाहर करना सही है? या इससे खेल की मूल भावना को नुकसान पहुंचेगा? देखा जाए तो गावस्कर के इस बयान ने क्रिकेट जगत को दो हिस्सों में बांट दिया है और यह विवाद अभी और गहराई में पहुंच सकता है।

आइसीसी से पाकिस्तान को मिलती है फंडिंग

उधर सुनील गावस्कर के तर्क को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। आलोचकों का कहना है कि अगर इस लॉजिक को आगे बढ़ाया जाए, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खुद ही विवादों में घिर सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मुकाबला खेला गया था। आईसीसी टूर्नामेंटों से होने वाली कमाई का हिस्सा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद सभी सदस्य देशों को देता है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। आईसीसी इवेंट्स के स्पॉन्सर और ब्रॉडकास्ट पार्टनर भी अक्सर भारतीय होते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या यह आर्थिक प्रवाह भी उसी श्रेणी में आएगा, जिसकी बात गावस्कर कर रहे हैं।

आईपीएल के लिए ऋषभ पंत बदल रहे रणनीति

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे लखनऊ के कप्तान

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल 2026 में अपनी रणनीति में बदलाव करने जा रहे हैं। पंत 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल के 19वें सीजन में तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। पंत इस दौरान एक बार फिर लखनऊ फ्रेंचाइजी की कमान संभालेंगे। लखनऊ ने 2025 के लिए हुई बड़ी नीलामी में पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन पिछला सीजन टीम और पंत दोनों के लिए कुछ खास नहीं रहा था।

पिछले साल की निराशा को पीछे छोड़ते हुए पंत एक सफल सीजन की ओर देख रहे हैं। इसी के तहत उन्होंने शीर्ष क्रम पर उतरने का फैसला किया है। ऐसा सिर्फ आईपीएल के लिए नहीं किया जा रहा, बल्कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज का ध्यान भारतीय टी20 टीम में वापसी पर लगा हुआ है। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं, जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

किस तरह बदलेगा लखनऊ का बल्लेबाजी संयोजन

- पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे।
- पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी, लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे।
- उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी।
- पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा।
- एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा।
- मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और उनके सहयोगी स्टाफ अपने कप्तान के बल्लेबाजी क्रम को लेकर एकमत हैं।
- आईपीएल सूत्रों के अनुसार, टीम प्रबंधन और पंत दोनों इस बात से सहमत हैं कि उनके लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना उपयुक्त होगा। इस साल उनके शीर्ष थ्म में एडेन मारकर्म, मिचेल मार्श और पंत शामिल होंगे।

सूर्यकुमार यादव का खुलासा

श्रीलंकाई कप्तान ने पीएसएल को कहा बाय-बाय, आईपीएल में में खेलेंगे राजस्थान से

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका की टी20 टीम के कप्तान दासुन शनाका ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है. दासुन शनाका अब को इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन मे भाग लेने का मौका मिलने जा रहा है, इसी को ध्यान में ऱखते हुए उन्होंने ये फैसला लिया है.

रिपोर्ट के मुताबिक दासुन शनाका ने ढ्ढक्कटीम राजस्थान रॉयल्स के साथ बातचीत की है. अब उन्हें इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल करने का फैसला किया है. राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें सैम करन के विकल्प के रूप में देखा, जो ग्रोइन इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं.दासुन शनाका इससे पहले आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स) का हिस्सा रह चुके हैं. उस सीजन में उन्होंने 3 मैच खेलकर 26 रन बनाए थे. हालांकि, आईपीएल 2026 के लिए आयोजित प्लेयर्स मिनी ऑक्शन में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला था. शनाका ने अपना बेस प्राइस 75 लाख रुपये रखा था.

मुजारबानी ने भी दिया था झटका

इसी बीच पीएसएल के 11वें सीजन से खिलाड़ियों के हटने का सिलसिला जारी है. ब्लेसिंग मुजारबानी (जिम्बाब्वे) और गुडाकेश मोती (वेस्टइंडीज) पहले ही टूर्नामेंट से हट चुके हैं. मुजारबानी को बाद में बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्ताफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के तौर पर अपने स्क्वॉड में शामिल किया, जबकि मोती के हटने की वजह सामने नहीं आई है. ब्लेसिंग मुजारबानी के पीएसएल से हटने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कानूनी कार्रवाई की बात भी कही है, जिससे यह मामला और चर्चा में आ गया है. हाल के वर्षों में यह ट्रेंड तेजी से बढ़ा है कि विदेशी खिलाड़ी पीएसएल की तुलना में आईपीएल को प्राथमिकता दे रहे है।

भारतीय टीम की मेजबानी की तैयारी में जुटा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड

बड़ा कदम उठाते हुए टाल दिया आयरलैंड दौरा

टाका, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लेते हुए सितंबर में प्रस्तावित अपनी टीम के आयरलैंड दौरे को टाल दिया है। बीसीबी ने ये फैसला भारत के खिलाफ लंबे समय से लंबित व्हाइट बॉल सीरीज के मद्देनजर लिया है। यह सीरीज टीम के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले बेहद अहम मानी जा रही है। हालांकि भारत का यह दौरा अभी अंतिम रूप से तय नहीं है। इसे भारत सरकार की मंजूरी मिलना बाकी है और हालिया कूटनीतिक परिस्थितियों के चलते इस पर अंतिम निर्णय लिया जाना है। अगर सरकार से मंजूरी मिली, तो भारतीय टीम 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाने हैं। वनडे मुकाबले 1, 3 और 6 सितंबर को आयोजित होंगे। जबकि टी20 सीरीज के मुकाबले 9, 12 और 13 सितंबर को होने हैं। यह व्हाइट बॉल सीरीज मूल रूप से 2025 में होनी थी, लेकिन बाद में इसे स्थगित कर दिया गया था।

अब कब होगा बांग्लादेश का आयरलैंड दौरा?

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि भारत का दौरा सितंबर विंडो में आने के बाद आयरलैंड सीरीज को अन्य समय में कराने की कोशिश की गई थी। हालांकि, आयरलैंड के व्यस्त फ्यूचर टूर प्रोग्राम के चलते नई तारीखें संभव नहीं हो सकी। इसके चलते दोनों बोर्ड ने आपसी सहमति से इस दौरे को टालने का फैसला लिया है और अब 2027 में इसके लिए नई विंडो तलाश की जा रही है। इस बदलाव के बाद भारत के खिलाफ सीरीज का महत्व और बढ़ गया है। बांग्लादेश फिलहाल (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) की वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और उसके 79 रेटिंग अंक हैं। वह दसवें स्थान पर काबिज वेस्टइंडीज से महज दो अंक आगे है। 31 मार्च 2027 तक रैंकिंग में मौजूद टॉप आठ टीमों को वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने का मौका मिलेगा, जबकि बाकी टीमों को क्वालिफायर खेलना होगा। बांग्लादेश अपने शेड्यूल को इस तरह संतुलित करने की कोशिश कर रहा है कि उसे अधिक से अधिक वनडे मुकाबले खेलने का अवसर मिले। टीम को आने वाले समय में भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलनी है, जबकि साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के दौरे भी प्रस्तावित हैं। फिलहाल, आयरलैंड दौरा टलने के बाद भारत के खिलाफ यह सीरीज बांग्लादेश के लिए बेहद अहम बन गई है, जो ना सिर्फ उसके अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर बल्कि 2027 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की दिशा भी तय कर सकती है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

जिस फिल्म के लिए मिला नेशनल अवॉर्ड उसकी ही वजह से कंगना ने झेला था डिप्रेशन

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत की गूंज आज सिनेमाई पर्दे से लेकर देश की संसद तक सुनाई देती है। एक बहुमुखी अभिनेत्री के साथ-साथ कंगना अब एक सजग सांसद की भूमिका भी निभा रही हैं। हिमाचल प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर मायानगरी मुंबई के शिखर तक पहुंचने का कंगना का सफर कड़े संघर्षों की कहानी है। बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस फिल्म ने उन्हें पहला राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया, उसी के फिल्मांकन के दौरान वे गहरे मानसिक तनाव और घुटन का शिकार हो गई थीं। आज, 23 मार्च को कंगना रनौत के जन्मदिन के अवसर पर, आइए जानते हैं उनकी फिल्म फैशन से जुड़े कुछ अनसुने किस्से। कंगना फिल्म फैशन करना नहीं चाहती थी क्योंकि फिल्म में उनका रोल बहुत छोटा था, हालांकि फिल्म में काम करना उनके लिए मजबूरी बन गया था। गैंगस्टर में लीड रोल निभाकर उन्हें वाहवाही तो मिली, लेकिन उस ग्राफ को मेंटेन करना मुश्किल था और उस वक्त बतौर लीड काम भी नहीं मिल रहा था। यही कारण था कि कंगना ने फिल्म के लिए हां कर दी। हालांकि इस फिल्म की वजह से वे डिप्रेशन का शिकार हो गईं। कंगना रनौत ने खुद इंटरव्यू में बताया था कि सोनाली का किरदार निभाना उनके लिए डरावना था क्योंकि उस समय वह खुद भी इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही थीं। फिल्म में जो रैंप वॉक वाला सीन है, जहां वह गिर जाती हैं, उसे परफेक्ट बनाने के लिए उन्होंने घंटों रिहर्सल की थी। मधुर भंडारकर ने कहा था कि कंगना ने उस किरदार के डिप्रेशन को इतना गंभीरता से लिया कि वह सेट पर भी अक्सर चुप और उदास रहती थीं।

नेश से ग्रस्त सोनाली का था किरदार

सोनाली का किरदार एक नशे से ग्रस्त लड़की का था, जिसे न तो फेम मिल पा रहा था और न ही काम। कंगना ने इस फिल्म में नशे से जुड़े कई सीन्स दिए। उन सीन्स को परफेक्ट बनाने के लिए वे कोकीन एडिक्ट लोगों से मिलती थी और उनके तरीकों को बारीकी से समझती थी। हालांकि फिल्म के रिलीज के बाद उन्हें महसूस हुआ कि फिल्म के जरिए उन्होंने मैगजीन और अंतर्राष्ट्रीय फैशन ब्रांड को बढ़ावा दिया और एयरपोर्ट लुक कल्चर को भी जमकर प्रमोट किया। इन सभी चीजों की वजह से भी कंगना को मानसिक दबाव भी झेलना पड़ा था। हालांकि सोनाली के किरदार के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था, जिसने उनके नीचे गिरते करियर को बचा लिया था।

अनुपम खेर ने धुरंधर 2 को बताया एक अनुभव, कहा-

पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया

रणवीर सिंह की धुरंधर 2ऱ्द रिवेंज रिलीज के साथ ही फैंस के दिलों पर राज कर रही है। फिल्म के दूसरे हिस्से में रणवीर सिंह का किरदार छाया हुआ है, वहीं अतीक अहमद और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से प्रेरित किरदारों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है। हालांकि, फिल्म को तारीफों के साथ आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है क्योंकि कुछ लोगों के मुताबिक फिल्म में सत्ताधारी पार्टी की नीतियों को सही दिखाया गया है। इसी बीच अनुपम खेर ने फिल्म की तारीफ की है लेकिन साथ ही फिल्म को प्रोपेगेंडा बताने वाले लोगों पर भी निशाना साधा है। फिल्म का दूसरा पार्ट देखकर अभिनेता खुशी से गदगद हो रहे हैं, और उन्होंने फिल्म के बारे में बात करने के लिए आदित्य धर से फोन पर बात भी की। अभिनेता का कहना है कि फिल्म का हर पहलू, चाहे वो कास्टिंग का हो या भी संवाद, हर चीज को बेहतर तरीके से पर्दे पर दिखाया गया है। उन्होंने लिखा, धुरंधर 2 जबरदस्त है! आदित्य धर एक रॉकस्टार हैं! कभी-कभी शब्द कम पड़ जाते हैं। आप फिल्म देखकर बाहर निकलते हैं और आपके भीतर एक खामोशी छा जाती है जो सब कुछ कह देती है, फिर भी कुछ समझा नहीं पाती। धुरंधर देखने का अनुभव कुछ ऐसा ही था। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है। यह एक अनुभव है। इसी बीच फिल्म को ट्रोल करने वाले लोगों पर भी अभिनेता ने निशाना साधा है। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने द कश्मीर फाइल्स और बारामूला जैसी फिल्मों को भी प्रोपेगेंडा बताया था, लेकिन ये फिल्में देश से जुड़ी थीं।

मेट्रो बाजार

मध्य पूर्व में तनाव के बीच इंडिगो और एयर इंडिया करेंगी सीमित परिचालन

नई दिल्लीमध्य पूर्व में तनाव के बीच भारतीय एयरलाइंस इंडिगो और एयर इंडिया ने यात्रियों की सुविधा के लिए 22 मार्च से क्षेत्र में फिर से सीमित परिचालन शुरू करने का निर्णय लिया है। साथ ही, यात्रियों से आग्रह किया है कि वह आखिरी समय में भी बदलाव के लिए तैयार रहें। बजट एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह रविवार को चुनिंदा उड़ानें संचालित करेगी और यात्रियों को सलाह दी है कि वे हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें। इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अनिश्चित स्थिति के दौरान यात्रियों की सहायता करने और उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए उसकी टीमें चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। एयरलाइन ने आगे कहा,÷मध्य पूर्व में बदलती स्थिति के बीच, इंडिगो की टीमें ग्राहकों को सहयोग देने और उन्हें उनके प्रियजनों तक पहुंचाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।÷

इंडिगो ने आगे कहा, इसी प्रयास के तहत, हम मौजूदा सुरक्षा शर्तों और आवश्यक नियामक अनुमोदनों के अनुरूप 22 मार्च को उड़ानें संचालित कर रहे हैं।÷ दूसरी तरफ, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने घोषणा की है कि वे 22 मार्च को पश्चिम एशिया से आने-जाने वाली लगभग 50 उड़ानें (निर्धारित और विशेष दोनों) संयुक्त रूप से संचालित करेंगी। एयर इंडिया ने एक संयुक्त बयान में कहा, ÷एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस 22 मार्च को पश्चिम एशिया क्षेत्र से आने-जाने वाली कुल 50 निर्धारित और अनियमित उड़ानें संचालित करेंगी।÷ दोनों एयरलाइंस जेद्दा और मस्कट जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए अपनी नियमित सेवाएं जारी रखेंगी। भारत और जेद्दा के बीच कुल 20 उड़ानें संचालित होंगी, जिनमें एयर इंडिया दिल्ली और मुंबई से वापसी उड़ानें

एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप बीते हफ्ते 56,000 करोड़ घटा, एचयूएल और टीसीएस को भी नुकसान

मुंबई। एचडीएफसी बैंक का मार्केट वैल्यूएशन बीते हफ्ते 56,000 करोड़ रुपए से अधिक कम हो गया है। इसके साथ, जिन शीर्ष कंपनियों का पूंजीकरण कम हुआ है, उनमें एचयूएल और टीसीएस का नाम भी शामिल है। 16-20 मार्च के बीच भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केटकैप एक लाख करोड़ रुपए से भी अधिक कम हो गया है। हालांकि, इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी करीब सपाट बंद हुए। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार लगभग सपाट रुख के साथ बंद हुआ, लेकिन इसमें नकारात्मक रुझान देखने को मिला। उन्होंने बताया कि शुरुआती तीन कारोबारी सत्र सकारात्मक रहे, लेकिन गुरुवार को आई तेज गिरावट ने सारी बढ़त को खत्म कर दिया, जिसके बाद अंतिम सत्र में भी काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीते हफ्ते एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 56,124.48 करोड़ रुपए कम होकर 12,01,267.28 करोड़ रुपए हो गया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का बाजार मूल्यांकन 18,009.62 करोड़ रुपए घटकर 4,89,631.32 करोड़ रुपए हो गया, जबकि बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 15,338.42 करोड़ रुपए घटकर 5,16,715.12 करोड़ रुपए हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 7,127.63 करोड़ रुपए घटकर 8,64,940 करोड़ रुपए हो गया, और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 6,171.72 करोड़ रुपए घटकर 8,91,673.06 करोड़ रुपए हो गया।

देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज बनकर तैयार

मुंबई। मुंबई से पुणे के बीच सफर करने वाले यात्री 1 मई से अपने गंतव्य स्थान तक 25 मिनट पहले पहुंच सकेंगे। यात्रियों का सफर कम समय में पूरा कराने के लिए सह्याद्रि के दो पर्वत के बीच देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज तैयार करने का काम 99.9 फीसदी तक पूरा कर लिया गया है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) 1 मई को मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर बने 13.3 किमी लंबे मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट को आम गाड़ियों के लिए खोलने की योजना पर काम कर रहा है। इस प्रॉजेक्ट के तहत दो पहाड़ों के बीच मार्ग तैयार करने के लिए 182 मीटर ऊंचा केबल ब्रिज तैयार किया गया है। 182 ऊंचे ब्रिज पर गाड़ियां 132 मीटर की ऊंचाई से गुजरेगी।

एक मई से खुल जाएगा मुंबई-पुणे मिसिंग लिंक

मिसिंग लिंक प्रॉजेक्ट के माध्यम से पहाड़ के बीच रास्ता तैयार किया गया है। ऐसा कर एमएसआरडीसी ने मुंबई- पुणे एक्सप्रेस वे की दूरी 6 किमी घटा दी है। नया रास्ता तैयार होने से वाहन चालकों को पहाड़ का चक्कर लगाते हुए आगे नहीं बढ़ना नहीं पड़ेगा। सीधी सड़क होने से गाड़ियां तेजी से आगे बढ़ पाएगी।

99.9 फीसदी काम पूरा

देश का सबसे ऊंचा केबल स्टे ब्रिज तैयार करने वाली ऑफकॉन्स कंपनी के अनुसार, ब्रिज 99.9 फीसदी तक बन कर तैयार हो चुका है। अब केवल अंतिम फिनिशिंग का काम चल रहा है। सरकार 1 मई तक ब्रिज को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल सकती है।

ईरान युद्ध: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद खोदी खाई

सीआईए के पूर्व चीफ ने खोली पोल, होर्मुज बन गया गले का फंदा, आगे की राह आसान नहीं

तेहरान, एजेंसी

ईरान के साथ जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दबाव के दोहरे मोर्चे पर घिरते दिख रहे हैं। अमेरिका के पूर्व रक्षा मंत्री और CIA डायरेक्टर लियोन पैनेटा ने साफ कहा है कि आज ट्रंप जिस मुश्किल स्थिति में हैं, उसके जिम्मेदार कोई और नहीं बल्कि खुद वही हैं। पैनेटा बिल क्लिंटन और बराक ओबामा प्रशासन में अहम पदों पर रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वह जंग को और बढ़ाएं या फिर पीछे हटकर जीत का दावा करें। लेकिन उन्होंने साफ किया कि दोनों ही रास्ते आसान नहीं हैं। उनके मुताबिक, अगर ट्रंप होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो इससे जंग और फैल सकती है। वहीं अगर वह पीछे हटते हैं, तो दुनिया इसे उनकी विफलता के तौर पर देखेगी।

क्या अधूरी तैयारी से जंग में कूदे ट्रंप?- पैनेटा ने तीखे शब्दों में कहा, 'यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है कि अगर आप ईरान से युद्ध करेंगे तो होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे बड़ी कमजोरी बन सकता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि या तो ट्रंप प्रशासन ने इस खतरे को नजरअंदाज किया या यह मान लिया कि जंग जल्दी खत्म हो जाएगी। लेकिन हकीकत इसके उलट निकली। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित हुई और कीमतें तेजी से बढ़ने लगीं।

ट्रंप का दांव उल्टा पड़ गया

ट्रंप ने 28 फरवरी को इस उम्मीद के साथ जंग शुरू की थी कि यह एक निर्णायक हमला साबित होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद अमेरिका और इजराइल को शुरुआती बढ़त भी मिली। लेकिन इसके बावजूद जंग खत्म नहीं हुई। पैनेटा के मुताबिक, अब ईरान में पहले से ज्यादा मजबूत और कठोर नेतृत्व उभर आया है, जो पहले से ज्यादा आक्रामक है। उन्होंने कहा कि 'पुराने नेतृत्व को हटाने के बाद जो नया नेतृत्व आया है, वह और ज्यादा सख्त है। यह रणनीति उलटी पड़ गई।' रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के अंदर भी ट्रंप को इस जंग को लेकर समर्थन जुटाने में दिक्कत हो रही है। तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, ट्रंप की लोकप्रियता घट रही है और उनके समर्थकों में भी दरार के संकेत दिख रहे हैं।

होर्मुज बना सबसे बड़ा हथियार

पैनेटा ने कहा कि जब तक ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को दबाव के तौर पर इस्तेमाल करता रहेगा, तब तक ट्रंप के लिए सीजफायर हासिल करना लगभग नामुमकिन होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका इस रास्ते को खोलने के लिए सैन्य कार्रवाई करता है, तो इससे जंग और लंबी और खतरनाक हो सकती है। पूर्व रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि ट्रंप ने अपने सहयोगियों को नजरअंदाज किया, जिसका खामियाजा अब भुगतना पड़ रहा है।

परमाणु युद्ध की ओर बढ़ रहा संघर्ष

इजरायली शहर डिमोना पर ईरानी हमले ने बढ़ाई चिंता

तेल अवीव। मध्य-पूर्व में जारी भीषण संघर्ष ने अब खतरनाक मोड़ ले लिया है। अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध में ईरान लगातार अपनी ताकत दिखा रहा है। हर गुजरते दिन उसके हमले और ज्यादा घातक होते जा रहे हैं। इजरायल के शहर-तेल अवीव, अराद और डिमोना लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों की जद में हैं। सायरन की आवाज, धुएं के गुबार और तबाही के मंजर अब आम हो चुके हैं। ईरान ने हाल ही में इजरायल के डिमोना शहर को निशाना बनाया, जहां उसका बेहद संवेदनशील न्यूक्लियर रिएक्टर स्थित है।

दुनिया के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इस इलाके में भी ईरानी मिसाइलों की पहुंच ने सबको चौंका दिया है। इजरायल आयरन डोम और एरो जैसे एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम के बावजूद ईरान के कई मिसाइल हमले नहीं रोक पाया। अराद और उत्तरी इजरायल के कई इलाकों में रिहायशी इमारतें बुरी तरह तबाह हो गईं। ड्रोन और ग्राउंड विजुअल्स में आग, मलबा और घायल लोगों की तस्वीरें सामने आई हैं। ईरान का दावा है कि इन हमलों में इजरायल को भारी नुकसान हुआ है।

श्रीलंका पर मिडिल ईस्ट संकट की तगड़ी मार

डीजल और पेट्रोल के दाम 400 रुपये लीटर के पार

कोलंबो, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजारों के साथ-साथ छोटे देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी साफ दिखाई देने लगा है। इसी कड़ी में श्रीलंका सरकार ने रविवार को ईंधन की कीमतों में करीब 25% तक बढ़ोतरी कर दी। एक सप्ताह के भीतर यह दूसरी और 1 मार्च के बाद तीसरी बढ़ोतरी है। यह फैसला अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद लिया गया है, जिससे पूरे खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया खास तौर पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से वैश्विक तेल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है। नई बढ़ोतरी के बाद श्रीलंका में ऑटो डीजल की कीमत 303 रुपये से बढ़कर 382 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि सुपर डीजल 353 से बढ़कर 443 रुपये हो गया। पेट्रोल 92 ऑक्टेन 317 से 398 रुपये और 95 ऑक्टेन 365 से 455 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। केरोसिन की कीमत में भी 30त्न से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

2022 के आर्थिक संकट जैसे हालात

इस बढ़ोतरी के बाद श्रीलंका में ईंधन कीमतें फिर 2022 के आर्थिक संकट के स्तर के करीब पहुंच गई हैं, जब देश को आजादी के बाद पहली बार डिफॉल्ट घोषित करना पड़ा था। उस समय भारी जनआंदोलन के बीच तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा था। श्रीलंका में ईंधन महंगा होने से सार्वजनिक परिवहन पर भी बड़ा असर पड़ा है। निजी बस ऑपरेटरों ने चेतावनी दी है कि अगर किराया नहीं बढ़ाया गया तो 90 प्रतिशत बसें सड़कों से हट सकती हैं। उन्होंने कम से कम 15 प्रतिशत किराया बढ़ाने की मांग की है और ऐसा नहीं होने पर देशव्यापी हड़ताल की चेतावनी दी है।

1 लीटर पेट्रोल पर 119 रुपये टैक्स

डेली मिरर अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, एनटीसी के महानिदेशक निलान मिरांडा ने एक बयान में कहा कि संशोधित बस किराए को फार्मूले के अनुसार लागू करने के लिए सोमवार को कैबिनेट की मंजूरी मिलने वाली है। श्रीलंका के पब्लिक ट्रांसपोर्ट सर्विस में प्राइवेट कंपनियों का दबदबा है, जिनका मार्केट शेयर 65-75 प्रतिशत है। वहीं सरकार की हिस्सेदारी लगभग 25-35 प्रतिशत है। विपक्ष ने ईंधन की कीमतें बढ़ाने के लिए सरकार की आलोचना की है।

आतंकिस्तान बना पाकिस्तान, ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में पहला स्थान, अबतक 1,139 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान पहली बार वैश्विक आतंकवाद सूचकांक में पहले स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2025 में आतंकवाद से होने वाली मौतों में 6 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अर्थशास्त्र और शांति संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में पाकिस्तान में 1,139 लोगों की मौत हुई और 1,045 आतंकी घटनाएं दर्ज की गईं। यह आंकड़ा 2013 के बाद सबसे ज्यादा है, जो देश की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अफगानिस्तान के साथ खराब संबंध और प्रतिबंधित आतंकी संगठनों तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान मुक्ति सेना की बढ़ती गतिविधियां इस स्थिति के मुख्य कारण हैं।

तहरीक-ए-तालिबान सबसे खतरनाक आतंकी संगठन

तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का सबसे खतरनाक आतंकी संगठन बन चुका है और दुनिया में तीसरे स्थान पर है। 2009 से अब तक पाकिस्तान में हुए कुल हमलों में 67 प्रतिशत से ज्यादा हमले इसी संगठन ने किए हैं। यह संगठन दूसरे सबसे सक्रिय समूह की तुलना में पांच गुना ज्यादा हमलों के लिए जिम्मेदार है। साल 2025 में इस संगठन के हमले 24 प्रतिशत बढ़कर 595 हो गए।

भले मेरा मंत्री पद ले लो, मेरे समाज के लोगों को आरक्षण दे दो

भाषण देते हुए फूट-फूटकर रोए यूपी के कैबिनेट मंत्री

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम के दौरान निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और योगी सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद भावुक हो गए और फूट-फूट कर रोने लगे। निषाद समुदाय के आरक्षण की मांग को लेकर महंत दिग्विजय नाथ पार्क में विशाल महारैली का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के जिलों से हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए।

हाथों में तख्तियां और पार्टी के झंडे लिए समर्थकों ने अपने नेता का जोरदार स्वागत किया। डॉ. निषाद बाइक रैली के जरिए कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जहां मंच तक बने रैंप पर कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर उनका अभिनंदन किया। संबोधन के दौरान उन्होंने लोगों का आभार जताते हुए कहा कि यह भीड़ किसी किराए की नहीं, बल्कि संघर्ष करने वाले लोगों की ताकत है। उन्होंने कहा कि अब पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर जनसैलाब खड़ा किया जाएगा और समाज की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। अपने भाषण में उन्होंने खुद को समाज की आवाज और उनका पक्ष रखने वाला बताया। उन्होंने कहा कि जब भी वे सदन में मुद्दे उठाते हैं, तो उसका असर दिखता है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पार्टियों ने वर्षों तक निषाद समाज को हक से दूर रखा और विकास के अवसर नहीं दिए।

छग: बीजापुर में आत्मसमर्पित 85 नक्सलियों ने दी साक्षरता परीक्षा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आत्मसमर्पण कर चुके माओवादियों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। जिला पुलिस की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 85 आत्मसमर्पित माओवादी कैडर्स ने बुनियादी साक्षरता परीक्षा में हिस्सा लिया।

यह पहल उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत की जा रही है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाना है, जो अब तक औपचारिक शिक्षा से वंचित रहे हैं, खासकर वे जो नक्सल गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। पुलिस प्रशासन के अनुसार, इससे पहले 272 आत्मसमर्पित नक्सली इस बुनियादी साक्षरता प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं और अब सामान्य नागरिक की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। इसी क्रम में अब 85 अन्य कैडर्स ने प्रशिक्षण पूरा करने के बाद परीक्षा दी है। इन सभी को नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाली सहायता, रोजगार मूलक प्रशिक्षण और पुनर्वास के सभी लाभ दिए जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर | आजादी के 250 वर्ष पूरे होने पर सरकार का फैसला

अब सोने के सिक्के पर छपेगी डोनाल्ड ट्रंप की फोटो

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की आजादी के 250 वर्ष पूरे होने के मौके पर एक खास सोने का सिक्का (स्मारक गोल्ड कॉइन) जारी करने की तैयारी है, जिस पर मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर छपी होगी। इस प्रस्तावित 24 कैरेट गोल्ड कॉइन में ट्रंप को रिजॉल्यूट डेस्क पर झुके और मुट्ठी भींचे हुए दर्शाया गया है। अमेरिका ने 4 जुलाई 1776 को स्वतंत्रता की घोषणा की थी। इस दिन अमेरिकन डिक्लेरेशन ऑफ इंडिपेंडेंस को अपनाया गया, जिसमें 13 अमेरिकी उपनिवेशों ने ग्रेट ब्रिटेन से आजादी का ऐलान किया। इसी कारण हर साल 4 जुलाई को आतिशबाजी, परेड और उत्सव के साथ अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।अमेरिका में यह पहली बार नहीं है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति की तस्वीर स्मारक सोने के सिक्के पर छप रही है। इससे पहले कॉल्विन कूलिज 1926 में अमेरिका की आजादी के 150 साल पूरे होने पर जारी स्मारक सिक्के में जॉर्ज वॉशिंगटन के साथ नजर आए थे। हालांकि, अमेरिकी कानून आमतौर पर किसी जीवित राष्ट्रपति की तस्वीर को मुद्रा पर छापने की अनुमति नहीं देता।

अमेरिकी %कमीशन ऑफ फाइन आर्ट्स% ने 19 मार्च को इस सिक्के के डिजाइन को मंजूरी दे दी है। हालांकि, सिक्के के आकार और इसे ट्रंप की तस्वीर के साथ जारी करने को लेकर औपचारिक स्वीकृति मिलनी अभी बाकी है। अमेरिकी ट्रेजरी के अधिकारी ब्रैंडन बीच ने कहा कि यह सिक्का देश की लोकतांत्रिक भावना और 250 साल की विरासत को दर्शाने के लिए तैयार किया जा रहा है, और इसके लिए ट्रंप से बेहतर प्रतीक कोई नहीं हो सकता। हालांकि, इस प्रस्ताव को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया है। डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कली ने कहा कि %सिक्कों पर चेहरे तानाशाह और राजाओं के होते हैं, लोकतांत्रिक नेताओं के नहीं।

कई और सिक्के जारी करने की योजना

इस बीच, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ को लेकर कई खास सिक्के और मेडल जारी करने की योजना है। यूएस मिंट (सिक्कों की ढलाई करने वाली संस्था) ने घोषणा की है कि 2026 में एक साल के लिए खास डिजाइन वाले सिक्के जारी किए जाएंगे, जिन पर 1776-2026 अंकित होगा और अमेरिकी स्वतंत्रता का प्रतीक लिबर्टी बेल भी दिखेगा। वहीं आलोचकों का कहना है कि यह कदम ट्रंप की उस कोशिश का हिस्सा है, जिसके जरिए वे अपनी छवि को अमेरिकी इतिहास और प्रतीकों में स्थायी रूप से दर्ज करना चाहते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564